राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 341, पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार , 20 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

पंचतत्व में विलीन हुए मिल्खा सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के महान फर्राटा धावक फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। मिल्खा सिंह का लगभग एक महीने तक कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद आज चंडीगढ के पीजीआईएमईआर में निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। इससे एक सप्ताह पहले उनकी पत्नी और भारतीय वॉलीबॉल टीम की पूर्व कप्तान निर्मल कौर का भी निधन हो गया था। मिल्खा सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, वीपी सिंह बदनौर श्मशान घाट पर मौजूद रहे। इसके साथ-साथ पंजाब सरकार के कई मंत्री, बड़े नेता और अधिकारी भी उपस्थित रहे। मिल्खा सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। मिल्खा सिंह के निधन पर पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा और राज्य में एक दिन का शोक भी रखा जाएगा। मुख्यमंत्री मिल्खा सिंह के अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर भी गए थे। महान फर्राटा धावक मिल्खा सिंह के निधन के साथ एक युग के अंत पर पूरे देश ने शोक जताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने एक बहुत बड़ा खिलाड़ी खो दिया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मिल्खा सिंह जी के निधन से हमने एक बहुत बड़ा खिलाड़ी खो दिया जिनका असंख्य भारतीयों के हृदय में विशेष स्थान था। अपने प्रेरक व्यक्तित्व से वे लाखों के चहेते थे। मैं उनके निधन से आहत हूं। उन्होंने आगे लिखा, मैंने कुछ दिन पहले ही श्री मिल्खा सिंह जी से बात की थी। मुझे नहीं पता था कि यह हमारी आखिरी बात होगी। उनके जीवन से कई उदीयमान खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उनके परिवार और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय लोकतंत्र मजबूत करने का काम किया : पीएम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओम बिरला को बधाई देकर कहा कि उन्होंने पिछले दो सालों में इसतरह के कई कदम उठाए जिससे संसदीय लोकतंत्र मजबूत हुआ और सदन के कामकाज में भी इजाफा हुआ। पीएम मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि बिरला ने ना सिर्फ पहली बार निर्वाचित युवा व महिला सांसदों को मौका दिया बल्कि संसद की विभिन्न समितियों को भी मजबूत किया।

ज्ञात हो कि आज ही के दिन 2019 में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बिरला का सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ था। मोदी ने कहा, पिछले दो सालों में बिरला जी कई इसतरह के कदम उठाए, जिससे हमारा संसदीय लोकतंत्र समृद्ध हुआ और सदन के कामकाज में वृद्धि हुई और इन्हीं वजहों से कई ऐतिहासिक और लोक कल्याणकारी विधेयक पारित हो सके। उन्हें बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा, ध्यान देने वाली बात है कि बिरला जी ने पहली बार निर्वाचित सांसदों, युवा सांसदों और महिला सांसदों को सदन के पटल पर बोलने का मौका प्रदान करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संसद की विभिन्न समितियों को भी मजबूत किया, जिनकी लोकतंत्र में अहम भूमिका है। बिरला ने वर्ष 2019 के संसदीय चुनाव में राजस्थान के कोटा से लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने इस संवैधानिक पद पर सुमित्रा महाजन का स्थान लिया था।बतौर अध्यक्ष ओम बिरला संसद के कामकाज को समृद्ध बनाने की कोशिशों और विभिन्न विषयों पर होने वाली बहसों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल देते हैं।

स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों की जमा राशि में 2019 से गिरावट : सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि स्विट्जरलैंड के बैंकों में भारतीय ग्राहकों की जमा राशि में 2019 से गिरावट आई है। मंत्रालय ने कहा कि वह स्विस अधिकारियों से इस बारे में तथ्य मांग रहा है। साथ ही स्विस अधिकारियों से 2020 में व्यक्तियों और इकाइयों द्वारा जमा की गई राशि में बदलाव की संभावित वजह की भी जानकारी मांगी गई है। मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीयों की जमा आधी रह गई है। हालांकि, मंत्रालय ने इस बारे में कोई आंकड़ा नहीं दिया। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के हवाले से 17 जून को खबर दी थी कि भारतीय लोगों और कंपनियों का स्विस बैंकों में जमा धन 2020 में 13 साल के उच्चस्तर 2.55 अरब स्विस फ्रैंक या 20,700 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इनमें भारत स्थित शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के जरिये जमा धन भी शामिल है। खबरों के अनुसार प्रतिभूतियों और इस तरह के अन्य माध्यमों के द्वारा स्विस बैंकों में भारतीयों की जमा में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इस दौरान ग्राहक-जमा में कमी आई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस आंकड़ों से स्विस बैंकों में जमा भारतीयों के कालेधन का कोई संकेत नहीं मिलता है। इसके अलावा आंकड़ों में भारतीयों, एनआरआई या अन्य द्वारा तीसरे देश की इकाई के रूप में जमा धन भी शामिल नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि वास्तव में स्विस बैंकों में भारतीय उपभोक्ताओं की जमा में गिरावट आई है। सबसे बड़ी वृद्धि बांड, प्रतिभूतियों या अन्य वित्तीय उत्पादों के रूप में हुई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारतीयों की जमा बढ़ने की कई अन्य वजहें भी हैं। इनमें भारतीय कंपनियों के बढ़ते कारोबारी लेनदेन, भारत में स्विस बैंक की शाखाओं की वजह से जमा में बढ़ोतरी और स्विस तथा भारतीय बैंकों के बीच अंतर-बैंक लेनदेन में वृद्धि शामिल है।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। असम में दो से अधिक बच्चों के माता-पिता को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि असम सरकार राज्य की योजनाओं में लाभ लेने के लिए चरणबद्ध तरीके से दो बच्चा नीति को लागू करेगी। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार की योजनाओं में तो अभी यह संभव नहीं है, लेकिन राज्य सरकार की योजनाओं में इसे लागू किया जाएगा। सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रस्तावित जनसंख्या नियंत्रण नीति असम में सभी योजनाओं में तुरंत लागू नहीं होगी क्योंकि कई योजनाओं का संचालन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, कुछ ऐसी योजनाएं हैं, जिसमें हम दो बच्चे की नीति लागू नहीं कर सकते, जैसे कि स्कूलों और कॉलेजों में मुफ्त शिक्षा या प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास। लेकिन कुछ योजनाओं में, जैसे अगर राज्य सरकार आवास योजना की शुरूआत करती है तो दो बच्चे के नियम को लागू किया जा सकता है। धीरे-धीरे आगे चलकर राज्य सरकार की प्रत्येक योजना में यह लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उनके माता-पिता के परिवार के आकार को लिए निशाना बनाने को लेकर विपक्ष की आलोचना की। सरमा पांच भाइयों वाले परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कहा, 1970 के दशक में हमारे माता-पिता या दूसरे लोगों ने क्या किया इस पर बात करने का कोई तुक नहीं है। विपक्ष ऐसी अजीबोगरीब चीजें कह रहा है और हम 70 के दशक में ले जा रहा है। पिछले महीने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले सरमा सरकारी योजनाओं के तहत फायदा लेने के लिए दो बच्चे के नियम की वकालत कर रहे हैं।

वसुंधरा और पुनिया समर्थकों के बीच शुरू हुई वर्चस्व की जंग

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भले ही अभी कुछ समय बाकी है, लेकिन राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा की लड़ाई सामने आने लगी है। सत्तारूढ़ कांग्रेस अंतर्कलह से जूझ रही है। अब भाजपा में भी यह बात खुलकर सामने आने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन उनके समर्थकों ने उनकी पैरवी में मोचाबंदी कर ली है। वसुंधरा समर्थकों का कहना है कि राजस्थान में सिर्फ और सिर्फ वसुंधरा राजे ही नेता हैं।

पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के बाद पूर्व मंत्री भवानी सिंह राजावत ने भी वसुंधरा के पक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राजावत ने कहा कि जिस तरह से देश में भाजपा के लिए मोदी हैं उसी तरीके से राजस्थान में भाजपा के लिए वसुंधरा राजे हैं। इन नेताओं ने साफ तौर पर दावा किया कि मुख्यमंत्री के तौर पर वसुंधरा राजे के अलावा प्रदेश में कोई दूसरा चेहरा नहीं है। पूरी पार्टी जानती है कि वसुंधरा राजे के ही दम पर यह सत्ता में आती रही है। वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री फेस नहीं बनाया गया तो भाजपा सत्ता में नहीं आएगी। कुछ और वसुंधरा समर्थक नेताओं ने दावा किया कि प्रदेश में तो मुख्यमंत्री के लिए कई उम्मीदवार घूम रहे हैं लेकिन उन्हें कोई नहीं पूछता। सबको पता है कि वसुंधरा ही पार्टी को सत्ता में ला सकेंगी। वसुंधरा के समर्थन में कई विधायक और सांसद के साथ-साथ पूर्व सांसद और विधायक मैदान में हैं। वसुंधरा के पक्ष में राजस्थान में हो रही मोचाबंदी से कहीं न कहीं भाजपा की बेचैनी बढ़ा दी है।

एससीओ की बैठक शामिल होंगे एनएसए डोभाल और एनएसए मोईद यूसुफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पाकिस्तानी एनएसए मोईद यूसुफ अगले हफ्ते दुशांबे (तजिकिस्तान) में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। अन्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ यह बैठक 23 और 24 जून को होगी। हालांकि, अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है, कि भारत और पाकिस्तानी एनएसए के बीच बैठक द्विपक्षीय होगी या एक समूह के साथ होगी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की यह बैठक उस समय हो रही है, जब नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों पिछले कुछ महीनों में संबंधों को लेकर सतर्क रहे हैं। इस साल फरवरी में, भारत और पाकिस्तान की सेना ने कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर 2003 के युद्धविराम समझौते का पालन करने पर सहमति व्यक्त की थी। तब से, समझौता कायम है और इस क्षेत्र में कोई गोलीबारी नहीं हुई है।

इसके पहले मार्च और अप्रैल में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एसएम कुरैशी एक ही स्थान पर थे, लेकिन दोनों के बीच कोई मुलाकात नहीं हुई थी। मार्च में दोनों हार्ट ऑफ एशिया मीट के लिए दुशांबे में थे, जबकि अप्रैल में वे अपनी द्विपक्षीय यात्राओं के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में थे। बता दें कि एससीओ के आठ सदस्य देश हैं। जो कि रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं। 2017 में भारत और पाकिस्तान आधिकारिक रूप से पूर्ण सदस्य के रूप में समूह में शामिल हुए और नवंबर 2020 में, भारत ने शंघाई सहयोग संगठन के प्रमुखों की सरकारी बैठक की मेजबानी की। यह पहली बार था जब भारत समूह की इस तरह की बैठक की मेजबानी कर रहा था, जिसकी अध्यक्षता भारतीय उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने की थी।

इस साल, एससीओ समूह का ताजिकिस्तान अध्यक्ष है और नवंबर 2020 में एससीओ के राज्य परिषद के प्रमुखों की बैठक में एससीओ की अध्यक्षता की थी। अगले हफ्ते की एससीओ एनएसए बैठक में रूसी एनएसए निकोलाई पेत्रुशेव और उनके चीनी समकक्ष के भाग लेने की भी उम्मीद है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान एससीओ का एक पर्यवेक्षक सदस्य है, जिसमें अफगान एनएसए हमदुल्ला मोहिब अपनी बड़ी मध्य एशिया यात्रा के हिस्से के रूप में शहर जा रहे हैं। अफगान एनएसए दुशांबे में अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठक भी कर सकता है जो अफगानिस्तान से संयुक्त राज्य अमेरिका की वापसी और तालिबान द्वारा हिंसा में वृद्धि की पृष्ठभूमि में आता है। अफगान एनएसए भी पाक एनएसए की मौजूदगी में एससीओ की बैठक में शामिल होंगे।

केन्द्र से न्यौता मिलने के बाद सक्रिय हुई महबूबा, बुलाई पार्टी की मीटिंग

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद से जारी राजनीतिक अस्थिरता अब दूर होने की उम्मीद है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 24 जून को जम्मू-कश्मीर के सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को मीटिंग के लिए बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के नेताओं को अनौपचारिक न्योता भेजा जा चुका है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार की ओर से न्यौता मिलने की पुष्टि की है। महबूबा ने बताया है कि उन्हें मीटिंग के लिए अनौपचारिक रूप से न्यौता मिला है और वहां पार्टी नेताओं से इस पर चर्चा कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि रविवार को महबूबा मुफ्ती ने पीडीपी नेताओं की एक बैठक बुलाई है, जिसमें 24 जून को पीएम मोदी के साथ होने वाली मीटिंग पर शामिल होने को लेकर चर्चा होने की संभावना है। इसी मीटिंग में तय होगा कि पीएम के साथ होने वाली मीटिंग में पीडीपी शामिल होगी या नहीं।

माना जा रहा है कि पीएम के साथ मीटिंग में जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने और दूसरे जरूरी मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के एक सीनियर ने बताया, हमें अभी नहीं जानकारी मिली है। हम अभी नहीं जानते कि किस बारे में मीटिंग है, लेकिन हम औपचारिक निमंत्रण का इंतजार करने वाले हैं, और उसके बाद ही कोई फैसला लेने वाले है। वहीं, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष जीए मीर ने बताया कि उन्हें पीएम के साथ होने वाली मीटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है।

डेढ़ से 2 महीने में आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर : गुलेरिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जून महीने में भारत को कोरोना की दूसरी लहर से थोड़ी राहत मिलते दिख रही है लेकिन यह पूरी तरह मंद नहीं पड़ी है। इस बीच भारत में कोरोना वायरस की तीसरी लहर आने की आशंका भी जाहिर की गई है और अब एम्स के चीफ रणदीप गुलेरिया ने बयान दिया है कि अगले 6 से 8 हफ्तों में यानी की 2 महीने के अंदर भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर दस्तक दे सकती है। दौरान यह बयान दिया है। बता दें कि दूसरी लहर में भारत में अस्पतालों में बिस्तर की कमी के साथ ही मेडिकल सप्लाई की भी कमी हो गई थी। दूसरी लहर के बीच कई राज्यों ने सख्त प्रतिबंध लागू किए थे, जिनमें अब ढील दी जा रही है। इसी को लेकर एम्स चीफ ने अगले दो महीने में कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा, हमने अनलॉक की प्रक्रिया शुरू कर दी है और फिर से कोरोना नियमों का पालन करने में लापरवाही देखी जा रही है। ऐसा लगता है जैसे पहली और दूसरी लहर में जो कुछ हुआ, हमने उससे कुछ सीखा नहीं। फिर से भीड़ जमा हो रही है। लोग इकट्ठे हो रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कोरोना संक्रमण के आंकड़े बढ़ने में समय लगेगा लेकिन अगले 6 से आठ हफ्तों में केस बढ़ने लगेंगे..या कुछ और देर से। यह सब निर्भर करता है कि हम कैसे कोरोना नियमों का पालन कर रहे हैं और भीड़ इकट्ठा होने से रोक रहे हैं। बता दें कि कोरोना संक्रमण ने दुनियाभर में अब तक 40 लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। इसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी भारत, अमेरिका, ब्राजील, रूस और मेक्सिको शामिल हैं। वहीं, भारत में बीते 24 घंटे के अंदर कोरोना वायरस के 60 हजार 753 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद अब देश में ऐक्टिव मामले घटकर 7 लाख 60 हजार के पास पहुंच गए हैं। वहीं, 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक वैक्सीन की 27.23 करोड़ खुराकें लगाई गई हैं। देश में महामारी की शुरूआत से अब तक कुल 38 करोड़ 92 लाख 7 हजार 637 सैंपलों की जांच की गई है।

पूर्व आईएएस और पीएम मोदी के करीबी एके शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के करीबी पूर्व आईएएस अधिकारी एके शर्मा को भाजपा ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। एके शर्मा को यूपी में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। आईएएस से इस्तीफा देकर राजनीति में आने के बाद फरवरी में उन्हें एमएलसी बनाया गया था। पिछले कुछ समय से उनके योगी मंत्रिमंडल में शामिल होने और उप मुख्यमंत्री बनने की चर्चा थी। एके शर्मा के साथ ही दो मंत्री भी बनाए गए हैं। एमएलसी बनने के बाद से एके शर्मा लगातार यूपी में एक्टिव थे। विभिन्न जिलों में कोविड नियंत्रण अभियान में जुटे हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कोरोना को नियंत्रित करने में उनका खास योगदान माना गया। प्रधानमंत्री ने बनारस मॉडल की चर्चा भी की थी। भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने बताया कि इन लोगों की नियुक्ति से पार्टी और संगठन को मजबूती मिलेगी। खासकर एके शर्मा के बारे में उन्होंने कहा कि वह मऊ से आते हैं। वहां उनका काफी वर्चस्व है। इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। पूर्वांचल में पार्टी को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। वह लंबे समय तक ब्यूरोक्रेसी में रहे हैं, उनके अनुभवों का लाभ पार्टी को मिलेगा।

महिलाओं को इंप्रेस करने के लिए गार्ड बना सेना का फर्जी अफसर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) भारत में एक 40 वर्षीय व्यक्ति को हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश कर रही थी, जिसे एक सैन्य अधिकारी का भेष धारण कर घूमने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि आईएसआई उसे एक असली आर्मी अफसर मान रही थी। दिल्ली के मोहन गार्डन निवासी दिलीप कुमार (40) नाम के गिरफ्तार फर्जी आर्मी कैप्टन से पूछताछ के लिए सेना के खुफिया अधिकारी, आईबी और दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की टीमें ग्रेटर कैलाश थाने में पहुंच गई हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से आर्मी का एक फर्जी आईडी कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े लोग दिलीप कुमार को आर्मी का असली अधिकारी समझते हुए हनी ट्रैप के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने आरोपी दिलीप कुमार को शुक्रवार को ग्रेटर कैलाश-1 में अर्चना रेड लाइट के पास एक सैन्य अधिकारी के रूप में घूमते वक्त गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कहा कि वह 100 से अधिक वॉट्सऐप ग्रुप का सदस्य है और 100 से अधिक महिलाओं के संपर्क में है। वह कई अन्य देशों के वॉट्सऐप नंबरों के भी संपर्क में है। पुलिस ने कहा कि मोबाइल की जांच करने पर पता चला कि आरोपी ने कई अंतर्राष्ट्रीय नंबरों पर वीडियो कॉल भी की थी। पूछताछ करने पर आरोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया पर महिलाओं का इम्प्रेस करने के लिए खुद को भारतीय सेना का कैप्टन शेखर बताता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने अफगानिस्तान में स्थित दूतावास को बंद करने के दिए आदेश, संक्रमण की बढ़ती रफ्तार मुख्य वजह

वाशिंगटन । कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अमेरिका ने अफगानिस्तान में स्थित दूतावास को बंद कर दिया है। यहां पर स्थिति अमेरिकी दूतावास ने कर्मचारियों के बीच कोरोना वायरस के मामलों में भारी वृद्धि के कारण लगभग पूर्ण लाकडाउन का आदेश दिया है। काबुल में दूतावास ने गुरुवार को बचे हुए कर्मचारियों में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए आइसोलेशन के आदेश दिए हैं। जहां पर इस वायरस से पहले ही एक शख्स की मौत हो चुकी है जबकि 114 लोगों को आइसोलेशन में रखा गया।

दूतावास ने कर्मचारियों को एक नोटिस में कहा कि कार्य बैठकों और मनोरंजक समारोहों सहित लगभग सभी समूह गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है क्योंकि अफगानिस्तान में सैन्य चिकित्सा सुविधाएं देने की क्षमता पूरी हो चुकी है। साथ ही लगातार बढ़ रहे मामलों के चलते अस्थायी कोविड वार्ड स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पर मरीजों को अक्सीजन की जरूरत है। दूतावास की तरफ से साफ कहा गया है कि यह प्रतिबंध तब तक लगा रहेगा तब तक कि कोरोना संक्रमण की चैन टूटती नहीं। नोटिस में कहा गया है कि 95 फीसद मामलों में ऐसे लोग शामिल हैं, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। ऐसे में सभी कर्मचारियों से दूतावास में उपलब्ध टीकों का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है। कार्यवाहक अमेरिकी राजदूत रॉस विल्सन ने नोटिस में कहा कि हम एक दूसरे की रक्षा के लिए कोरोना ट्रांसमिशन की श्रृंखला को तोड़ना चाहिए और देश के कारोबार को चलाने के लिए मिशन की क्षमता सुनिश्चित करना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि जब तक कोरोना ट्रांसमिशन की चेन नहीं टूटती, तब तक पाबंदियां जारी रहेंगी। इससे निपटने के लिए हम सब इसमें एक साथ हैं और इस कठिन समय के दौरान आपके सहयोग पर भरोसा करते हैं।

तियांहे के निर्माण के लिए अंतरिक्ष में भेजे गए चीन के मानव मिशन पर नासा की प्रतिक्रिया

वाशिंगटन । चीन द्वारा अंतरिक्ष में बनाए जा रहे उसके नए स्पेस स्टेशन के निर्माण के लिए भेजे गए मानव मिशन पर नासा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। नासा ने एक बयान जारी कर इस मानव मिशन पर खुशी जताई है और चीन को उसके मिशन के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। एक संदेश में नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने कहा है चीन को उसके सफलतापूर्वक मानव मिशन को लॉन्च करने पर बधाई। उन्होंने ये भी लिखा है कि वो इसके जरिए भविष्य में होने वाली वैज्ञानिक खोज का इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि चीन की तीनों अंतरिक्ष यात्री सफलतापूर्वक गुरुवार को निर्माणाधीन स्पेस स्टेशन पहुंच गए हैं। चीन के इस स्पेस स्टेशन का नाम तियाहे है। चीन के तीनों अंतरिक्ष यात्रियों को शेनझोउ-12 से स्थानीय समयानुसार सुबह 9ः22 बजे जियुक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया था। इस यान को लांग मार्च-2एफ राकेट के जरिये रवाना किया गया था। चीन में इस लॉन्चिंग का सीधा प्रसारण भी किया गया था। रवानगी के छह घंटे बाद ये तीनों सफलतापूर्वक स्पेस स्टेशन पहुंच गए। वर्ष 2016 के बाद पहली बार उसके अंतरिक्षयात्री अंतरिक्ष में पहुंचे हैं। चीन के स्पेस मिशन में ये एक बड़ा और अहम कदम भी माना जा रहा है। गौरतलब है कि चीन ने अपना स्पेस स्टेशन तियाहे बनाने के लिए इसके कोर मॉड्यूल को 29 अप्रैल को लॉन्च किया था। ये कंट्रोल हब के रूप में काम करता है। ये करीब 16.6 मीटर लंबा और 22.5 टन वजनी है। अब तीन महीने तक चीन के तीनों अंतरिक्षयात्री निए हैशेंग, लियू बोमिंग और तांग होंग्बो, इसमें ही रहकर स्पेस स्टेशन के निर्माण और इसकी देखरेख का काम करेंगे। चीन का ये स्पेस स्टेशन टी आकार का है। इसके बीच में कोर मॉड्यूल और सभी किनारों पर एक लैब कैप्सूल है। इस स्टेशन की खासियत ये भी है कि इस पर मानव और कार्गो दोनों की व्यवस्था की गई है। इसको धरती की निचली कक्षा में संचालित किया गया है। इसी कक्षा में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन भी है, जिसमें अमेरिका, यूरोप, कनाडा, रूस, और जापान शामिल है। रॉयटर्स का कहना है कि यदि किसी सूरत में आईएसएस को डीकमिशंड किया जाता है तो ऐसी सूरत में केवल चीन का ही स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव रहेगा। आपको बता दें कि आईएसएस को 1988 में लॉन्च किया गया था। इससे पहले रूस का मीर स्टेशन अंतरिक्ष में संचालित था।

एंटीवायरल गोलियों के लिए 320 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा अमेरिका, खतरनाक वायरसों से लड़ने की तैयारी

वाशिंगटन । अमेरिका कोरोना और अन्य ऐसे खतरनाक वायरसों, जो आगे चलकर महामारी में बदल सकते हैं, के लिए एंटीवायरल गोलियों का विकास करेगा। इसके लिए वह 320 करोड़ डालर (23,754 करोड़ रुपये) का निवेश करने की योजना बना रहा है। देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. एंथनी फासी ने व्हाइट हाउस में एक ब्रीफिंग के दौरान इस निवेश की घोषणा की। यह निवेश महामारी के लिए नए एंटीवायरल प्रोग्राम के हिस्से के रूप में किया जाएगा। इसका मकसद कोरोना वायरस जैसे संभावित खतरनाक वायरस के कारण उत्पन्न लक्षणों को दूर करने के लिए दवाइयों का विकास करना है। कोविड के लिए विकसित दवाओं का उपयोग संक्रमण के बाद लक्षणों को कम करने के लिए किया जाएगा। ये अभी विकास के चरण में हैं और क्लीनिकल ट्रायल पूरा होने तक साल के अंत तक आ सकती हैं। वित्त पोषण से क्लीनिकल ट्रायल को गति मिलेगी और यह निजी क्षेत्र को अनुसंधान, विकास और विनिर्माण में अतिरिक्त सहायता प्रदान करेगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की कोरोना रोधी दवा 2-डियोक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) वायरस के सभी वैरिएंट के खिलाफ कारगर है और वायरस में वृद्धि को कम करती है। एक नवीनतम अध्ययन में यह दावा किया गया है। 15 जून को प्रकाशित अध्ययन की अभी समीक्षा नहीं की गई है। यह अध्ययन अनंत नारायण भट्ट, अभिषेक कुमार, योगेश राय, दिव्या वेदगिरी और अन्य ने किया है। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमने अपने अध्ययन में सार्स-कोव-2 संक्रमण द्वारा प्रेरित मेटाबोलिक रिप्रोग्रामिंग को लक्षित और बाधित करने के लिए 2-डियोक्सी-डी-ग्लूकोजका उपयोग किया। इसमें पाया गया कि यह दवा वायरस वृद्धि को कम करती है, कोशिकाओं को संक्रमण प्रेरित साइटोपैथिक प्रभाव (सीपीई) से दूर रखती है और उन्हें खत्म होने से बचाती है। डीआरडीओ और हैदराबाद स्थित डा. रेड्डी लैबोरेटरीज ने यह दवा विकसित की है। इस दवा को कोरोना वायरस के खिलाफ सहायक चिकित्सा के रूप में इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है।

नाइजीरिया में किडनैप गैंग का आतंक, ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते कॉलेज में घुसे, दर्जनों छात्र व 3 टीचर लापता

वाशिंगटन , एजेंसी । नाइजीरिया में आतंकियों ने एक बार फिर से छात्रों को निशाना बनाया है। देश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में दर्जनों बंदूकधारी ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते हुए घुस गए और कई लोगों को घायल कर दिया। हमले के बाद बहुत से छात्र और तीन टीचर लापता हैं। माना जा रहा है कि आतंकियों ने उन्हें अगवा कर लिया है। हमलावरों ने केबी राज्य में फेडरल गवर्नमेंट कॉलेज को निशाना बनाया है। बीते एक महीने में स्कूल या कॉलेज पर किडनैप गैंग का यह तीसरा हमला है। केबी स्टेट पुलिस ने बताया कि एक अधिकारी मारा गया है। सुरक्षा बल हमलावरों को ढूंढकर छात्रों व टीचर्स को छुड़ाने की कोशिश में जुट गए हैं। पुलिस ने बयान में कहा, 'हमले के बाद तीन टीचर और बहुत से छात्र लापता हैं.' अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हमले के वक्त कितने छात्र कॉलेज में मौजूद थे. स्थानीय लोगों के मुताबिक हमलावरों ने पांच लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया. इनमें चार छात्र हैं. हमलावर हॉस्टल में भी घुस गए और जमकर तोड़फोड़ की. भारी हथियारबंद लोगों को यहां लुटेरा माना जाता है. ये हमलावर गांवों पर हमला कर ग्रामीणों के पशु चुराकर ले जाते हैं. इसके अलावा वे लोगों को फिरौती के लिए किडनैप कर लेते हैं. हाल ही में इन लुटेरों ने स्कूल-कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है. ये लुटेरे फिरौती के लिए इनका अपहरण कर रहे हैं. मई के अंत में बंदूकधारियों ने नाइजर के एक मदरसे से 136 छात्रों को किडनैप कर लिया था. दिसंबर से अब तक 700 से ज्यादा छात्रों का अपहरण किया जा चुका है. नाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के सुरक्षा बलों के लिए यह एक बड़ी चुनौती रही है. जबकि दूसरी ओर वे जेहादी आतंकियों और अलगाववादियों को भी सामना कर रहे हैं. नाइजीरिया में पिछले कुछ समय में हिंसा चरम पर पहुंच चुकी है. इस वजह से आम लोग डर के माहौल में जीने को मजबूर हैं.

नेपाल में मानसून ने धरा विकराल रूप, 16 की मौत और 22 लापता

काठमांडू । नेपाल में मानसून के कारण रविवार से हो रही लगातार बारिश के कारण यहां बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने अब तक 16 लोगों की जान ले ली है वहीं 22 लापता हैं। देश के गृह मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि आधा दर्जन से अधिक जिलों में मानसून की बारिश के कारण हालात खराब हैं और 16 लोगों की मौत् हो चुकी है। मरने वालों में तीन विदेशी नागरिक हैं। मंत्रालय ने बताया, अभी तक हमें संपत्तियो के नुकसान संबंधित रिपोर्ट नहीं मिली है। सरकार राहत और बचाव कार्य पर ध्यान दे रही है। साथ ही प्रभावित इलाकों में राहत सामग्रियां भिजवाई जा रही हैं।

मंत्रालय ने आगे बताया कि पिछले रविवार से शुरू हुए इस आपदा के कारण देश भर में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से अब तक 16 मौतें, 11 जख्मी और 22 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता जनकराज दहल ने एएनआइ को बताया कि सिंधुपालचोक व मनंग जिलों में जान माल की हानि के रिपोर्ट मिले हैं। नेपाल मौसम विभाग के अनुसार नेपाल में 1 जून से मानसून आया है और यह करीब 3 माह तक रहेगा।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, डोलखा जिला प्रशासन ने तमाकोशी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। भूस्खलन ने रोंगक्सिया शहर टिंगरी काउंटी के पास नदी प्रणाली को क्षतिग्रस्त कर दिया है। यह अचानक बाढ़ का कारण बन सकता है।

बाढ़ में 11 लोगों की मौत, 25 लोग लापता- बता दें कि सिंधुपालचोक जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ ने 11 लोगों की जान ले ली है। वहीं, 25 लोगों के लापता हो चुके हैं। मृतकों में एक भारतीय और दो चीनी नागरिक शामिल हैं। तीनों मृतक विदेशी नागरिक हैं और ये एक चीन की कंपनी के लिए काम कर रहे थे।

जिला प्रशासन के मुताबिक तीनों मृतक इलाके में चल रही एक विकास परियोजना में श्रमिक के तौर पर काम कर रहे थे। मृतकों के शव जिले के मेलमची शहर के पास बरामद किए गए थे। इलाके में बुधवार को अचानक आई बाढ़ ने अपनी चपेट में ले लिया था। जिला अधिकारी बाबूराम खनाल के मुताबिक, तीनों मृतक विदेशी नागरिक थे और ये एक चीन की कंपनी के लिए काम कर रहे थे। जो पेयजल परियोजना के तहत काम पर लगी है। वहीं नेपाल के गृह मंत्रालय ने गुरुवार देर रात पुष्टी की है कि, चीन के तिब्बत क्षेत्र की सीमा से लगे पहाड़ी जिले सिंधुपालचोक और देश के अन्य हिस्सों में आई बाढ़ में 25 लोग लापता हैं। गौरतलब है कि नेपाल में आमतौर पर मानसून की बारिश जून के महीने में शुरू होती है और सितंबर के आखिरी तक चलती है। रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल में हर साल बारिश के महीनों में हजारों लोगों की मौत होती है।

कोरोना की दवा अब जल्द टेबलेट के रूप में भी होगी उपलब्ध, अमेरिका कर रहा है तैयार

वाशिंगटन । कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए अमेरिका अब दवा बनाने के लिए कार्य कर रहा है। यह कार्य किसी दवा बनाने वाली कंपनी में नहीं बल्कि बाइडन प्रशासन की अगुआई में हो रहा है। इस दवा की खोज, विकास और निर्माण के लिए अमेरिकी सरकार ने तीन अरब डॉलर (करीब 22 हजार करोड़ रुपये) की धनराशि का एलान किया है।

अमेरिका में कोविड के एक्टिव मरीजों की संख्या 50 लाख से ज्यादा बनी हुई है। नए मरीज भी रोज सामने आ रहे हैं। इसलिए सरकार ने अब कोविड के इलाज के लिए जल्द दवा बनाने वाला कदम उठाया है। इससे गंभीर रूप से बीमार लोगों को ठीक किया जा सकेगा और लोगों को मरने से बचाया जा सकेगा। यह जानकारी अमेरिका के स्वास्थ्य विभाग ने दी है। इस एंटी वायरल प्रोग्राम में मुंह से ली जाने वाली दवा विकसित की जा रही है जिसे बीमार पड़ने पर घर में ही आसानी से लिया जा सकेगा। कहा गया है कि टेबलेट या सीरप के रूप में यह दवा बहुत असरदार होगी और इसे लेने के बाद कोविड के मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य मामलों के सलाहकार डॉ. एंथनी फासी ने कहा है कि यह दवा वायरस जनित रोगों पर प्रभावी होगी। शुरुआती लक्षणों के आधार पर इसे लिया जा सकेगा। यह दवा इन्फ्लूएंजा के सभी मामलों में ली जा सकेगी। दवा के विकास के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है।

वैक्सीन की शिपमेंट के लिए भारत सरकार और एस्ट्रोजेनेका, सीरम से बातचीत की कोशिश कर रहा डब्ल्यूएचओ

संयुक्त राष्ट्र । विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोरोना वैक्सीन की शिपमेंट को दोबारा शुरू करने के लिए वह भारत सरकार और एस्ट्रोजेनेका-सीरम के साथ बातचीत की कोशिश कर रहा। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि डब्ल्यूएचओ तत्काल एस्ट्राजेनेका, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के साथ-साथ भारत सरकार के साथ काम करने की कोशिश कर रहा है ताकि उन देशों के लिए कोरोना वैक्सीन के शिपमेंट को फिर से शुरू किया जा सके, जिन्हें वैक्सीन की कमी के कारण टीकों की दूसरी डोज के रोलआउट का टीकाकरण को निलंबित करना पड़ा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस के वरिष्ठ सलाहकार ब्रूस आयलवर्ड ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास बड़ी संख्या में ऐसे देश हैं जिन्हें वैक्सीन की अपनी दूसरी डोज के टीकाकरण को निलंबित करना पड़ा है। आयलवर्ड ने कहा कि यह 30 या 40 से अधिक देशों में है जिन्हें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की दूसरी डोज के लिए लक्षित किया जा सकता था (लेकिन वे) ऐसा करने में सक्षम नहीं होंगे।

उन्होंने कहा कि अब हम तत्काल एस्ट्राजेनेका के साथ-साथ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई), भारत सरकार के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि उन शिपमेंट्स को फिर से शुरू किया जा सके ताकि हम उन आबादी में उन दूसरी खुराक प्राप्त कर सकें। आयलवर्ड ने कहा कि कई देश, विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ÷कुछ देशों ने विशेष रूप से कड़ी टक्कर दी, उनमें वे लोग शामिल हैं जो भारत को घेरते हैं जैसे नेपाल, श्रीलंका, अन्य जिन्हें बीमारी की गंभीर लहर का सामना करना पड़ा।

भारत ने म्यांमार पर यूएनजीए प्रस्ताव पर मतदान से किया परहेज

न्यूयार्क । म्यांमार पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने बयान दिया। भारत ने म्यांमार पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव पर वोटिंग से खुद को अलग कर लिया। भारत का कहना है कि प्रस्तावित मसौदे से यह असहमत है और मामले में शांतिपूर्ण समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय प्रयासरत है और इसलिए पड़ोसी होने के नाते रचनात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। इस मसौदा प्रस्ताव को 119 देशों का समर्थन हासिल है जबकि बेलारुस इसके विरोध में है वहीं भारत के साथ 34 और देश हैं जिन्होंने वोटिंग नहीं की।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्थायी राजदूत ने कहा कि म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर भारत की ओर से प्रयास जारी रहेगा और वहां की जनता को आकांक्षाओं और आशाओं का सम्मान दिलाने की कोशिश में कमी नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा, रखाइन प्रांत से विस्थापित रोहिंग्या समुदाय की वापसी के मसले के समाधान को लेकर भी भारत प्रयासरत है।

इस मसौदे पर वोट नहीं देने के भारत के फैसले पर स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, पारित मसौदे में भारत के विचार परिलक्षित नहीं हो रहे हैं। हम यह दोहराना चाहेंगे कि यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए तैयार है तो इसमें म्यांमार के पड़ोसी देशों और क्षेत्रों के परामर्शी और रचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाना महत्वपूर्ण है।

बता दें कि यूएनजीए ने म्यांमार पर एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया था कि 8 नवंबर, 2020 के आम चुनाव के नतीजों के जरिए आम लोगों की इच्छा का म्यांमार के सशस्त्र बलों को सम्मान करना चाहिए ताकि देश में इमरजेंसी के हालात खत्म हों और लोगों के मानवाधिकार को सम्मान मिल सके। इस मसौदे पर 119 देशों ने वोटिंग में सहमति (हां) दी वहीं बेलारूस ने असहमति (नहीं) जताई। इसके अलावा भारत, चीन और रूस समेत 35 अन्य देशों ने वोटिंग से किनारा कर लिया।

म्यांमार पर पांच सूत्रीय सहमति और आसियान की पहल का संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी दूत तिरुमूर्ति ने स्वागत किया। उन्होंने कहा, हमारे बीच की राजनयिक गतिविधियों का मकसद इन प्रयासों को और मजबूत करना होगा। हम हिरासत में लिए गए नेताओं की रिहाई और कानून को बरकरार रखने का आह्वान करते हैं।

150 दिनों में वैक्सीन की 30 करोड़ खुराक दी गई, चार जुलाई तक 70 फीसद वयस्कों को कम से कम एक डोज देने का लक्ष्य

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की है कि अमेरिका में लोगों को 150 दिनों में कोरोना वैक्सीन की 30 करोड़ खुराक लगाई जा चुके हैं। चार जुलाई तक 70 फीसद वयस्कों को कम से कम एक खुराक देने का देश ने लक्ष्य रखा है। अब तक 65 प्रतिशत लोगों को कम से कम एक खुराक दे दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जब उन्होंने यह पद संभाला तब देश संकट में था। अब वायरस का प्रभाव कम होने लगा है और हमारी अर्थव्यवस्था ने नौकरी में वृद्धि के पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह सब केवल चार महीने में हुआ है।

राष्ट्रपति ने अबतक टीका नहीं लगवाए लोगों से वायरस के नए स्ट्रेन से बचने के लिए जल्द से जल्द टीकाकरण करवाने का आग्रह किया। व्हाइट हाउस में एक भाषण के दौरान बाइडन ने कहा कि याद कीजिए 150 दिन पहले क्या हालात थे। हमारे पास सभी अमेरिकियों के लिए पर्याप्त वैक्सीन आपूर्ति नहीं थी। हमारे पास वैक्सीन का बुनियादी ढांचा नहीं था। लेकिन हमने एक साथ मिलकर जल्दी, आक्रामक और समान रूप से काम करके स्थिति पलट दी।

टीकाकरण से हाल के महीनों में कोरोना मामलों, अस्पताल में भर्ती होने और मौतों में काफी कमी आई है, ऐसे में अपने प्रशासन के राष्ट्रीय टीकाकरण प्रयास के बारे में बताते हुए राष्ट्रपति ने टीका लगवाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। जहां टीकाकरण की संख्या कम है वहां मामले बढ़ रहे हैं। इस पर चिंता जाहिर करते हुए बाइडन ने कहा कि सच्चाई यह है कि जहां लोगों को टीका लगाया जा रहा है, वहां मौतों और अस्पताल में भर्ती होने में भारी कमी आई है। लेकिन दुर्भाग्य से जहां टीकाकरण की संख्या कम है वहां मामले और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। बाइडन ने मई की शुरुआत में 70त्न अमेरिकी वयस्कों में वैक्सीन की पहली खुराक देने के लिए 4 जुलाई का लक्ष्य निर्धारित किया था। सीडीसी के अनुसार अब तक 65 प्रतिशत वयस्कों को कम से कम एक टीके की एक खुराक मिल गई है। उन्होंने कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क में व्यापार और शारीरिक दूरी पर सभी महामारी प्रतिबंधों को हटाने की भी अनुमति दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने किया कोरोना वायरस के घातक डेल्टा वैरिएंट को लेकर अलर्ट !

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कोरोना के डेल्टा वैरिएंट को खतरनाक बताया है। बाइडेन ने शुक्रवार को युवाओं के लिए विशेष रूप से खतरनाक प्रतीत होने वाले कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ अमेरिकियों को चेतावनी देते हुए लोगों से जल्द से जल्द वैक्सीन लेने की अपील की है। बाइडन ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट बिना टीकाकरण वाले लोगों को एक महीने पहले की तुलना में और भी अधिक असुरक्षित बना देंगे।

यह एक गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से इसलिए कि विशेषज्ञ डेल्टा वैरिएंट को घातक बता रहे हैं। यह कोरोना वायरस का एक ऐसा वैरिएंट है जो अधिक आसानी से प्रसारित, संभावित रूप से घातक और विशेष रूप युवा लोगों के लिए खतरनाक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट को चिंताजनक प्रकार की अपनी सूची में शामिल किया है क्योंकि यह कुछ देशों में तेजी से फैला है, विशेष रूप से भारत में संक्रमण में इससे तेज वृद्धि हुई जहां इसे पहली बार पाया गया था।

कोरोना वायरस महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले ब्रिटेन में डेल्टा वैरिएंट का कहर काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। यूके में सिर्फ एक हफ्ते में कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के 33 हजार 630 केस बढ़ गए। इसको मिलाकर ब्रिटेन में डेल्टा वैरिएंट के कुल मामले अब बढ़कर 75 हजार 953 हो गए हैं। ब्रिटिश हेल्थ एजेंसी की मुख्य कार्यकारी जेनी हैरिस ने कहा हैकि देशभर में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं और अब डेल्टा वैरिएंट हावी है। भारत में सबसे पहले पाया गया यह वैरिएंट ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है। इसको लेकर डब्ल्यूएचओ ने भी अपनी चिंता जताई है और दुनिया के सभी देशों से सतर्क रहने को कहा है।

कोल्डप्ले बैंड के क्रिस मार्टिन न्यूयॉर्क के रॉकफेलर प्लाजा में एनबीसी के टुडे शो में प्रस्तुति करते हुए।

चीन के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक की रहस्यमय परिस्थितियों में एक इमारत से गिरने से मौत

बीजिंग । चीन के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों में से एक और हार्बिन इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष की रहस्यमय परिस्थितियों में एक इमारत से गिरने से मौत हो गई है। चाइनीज न्यूक्लियर सोसाइटी के उपाध्यक्ष झांग झिजियान गुरुवार को मृत पाए गए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने बताया कि विश्वविद्यालय ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल पर जांच में बहुत ज्यादा जानकारी न मिलने के कारण हत्या होने से इन्कार कर दिया है।

यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि हार्बिन इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय को यह बताते हुए काफी दुख हो रहा है कि प्रोफेसर झांग झिजियन की एक इमारत से गिर गए और 17 जून, 2021 को सुबह 9.34 बजे उनकी मृत्यु हो गई। विश्वविद्यालय कॉमरेड झांग झिजियन के निधन पर गहरा दुख और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। झांग की मौत के बारे में कोई अन्य आधिकारिक बयान नहीं आया और उनका नाम शुक्रवार को विश्वविद्यालय की वेबसाइट की लीडरशिप लिस्ट में बना रहा।

झांग विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर थे। वे चाइनीज न्यूक्लियर सोसाइटी के उपाध्यक्ष भी थे। वह विश्वविद्यालय में कम्युनिस्ट पार्टी कमेटी की स्थायी समिति के सदस्य भी थे। 2019 में, शोधकर्ता को परमाणु ऊर्जा सिमुलेशन और सुरक्षा अनुसंधान में उनके योगदान के लिए चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉर्पोरेशन द्वारा चीन के परमाणु कार्यक्रम के जनक के नाम पर, कियान सैनकियांग प्रौद्योगिकी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पिछले साल मई में, वैज्ञानिक को नवाचार में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। केंद्र सरकार यह सम्मान देती है। उनकी मृत्यु से दो दिन पहले विश्वविद्यालय ने कॉलेज ऑफ अंडरवॉटर एकोएस्टिक इंजिनियरिंग के पूर्व डीन को 41 वर्षीय यिन जिंगवेई को एक नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। विश्वविद्यालय उन दो चीनी विश्वविद्यालयों में से एक है, जिनका सेना के साथ घनिष्ठ संबंध है और जिन्हें पिछले जून में अमेरिका द्वारा विकसित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। चीन औरअमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी पर तनाव के बीच यह प्रतिबंध लगा था।

टीके का प्रजनन क्षमता पर नहीं पड़ता प्रतिकूल असर, फाइजर-माडर्ना की कोरोना वैक्सीन से नहीं कम होता स्पर्म काउंट

वाशिंगटन, एजेंसी । फाइजर और माडर्ना की कोरोना वैक्सीन से पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। एक नवीनतम अध्ययन के मुताबिक वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी पुरुषों के स्पर्म काउंट यानी शुक्राणुओं का स्तर कम नहीं होता। जामा नामक पत्रिका में गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन में 18-50 वर्ष के 45 स्वस्थ्य वालंटियर को शामिल किया गया था, जिन्हें फाइजर-बायोएनटेक और माडर्ना के एमआरएनए कोरोना टीके लगने थे।

अध्ययन में शामिल होने वाले लोगों की पहले ही यह जांच कर ली गई कि उन्हें प्रजनन संबंधी कोई समस्या तो नहीं है। अध्ययन में 90 दिन पहले तक कोरोना से ग्रस्त या उसके लक्षण वाले लोगों को शामिल नहीं किया गया। अध्ययन में पुरुषों को वैक्सीन की पहली डोज देने से पहले उनके वीर्य के नमूने लिए गए और दूसरी डोज देने के करीब 70 दिन बाद फिर नमूने लिए गए। डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस के मुताबिक प्रशिक्षित विशेषज्ञों ने विभिन्न मानकों पर शुक्राणुओं की जांच की। अध्ययन के लेखकों में शामिल अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय के एक अध्ययनकर्ता ने कहा कि वैक्सीन लगवाने में लोगों की हिचक का एक कारण प्रजनन क्षमता पर पड़ने वाले नकारात्मक असर होने की धारण भी है। अध्ययन में विशेषज्ञों ने पाया कि वैक्सीन का प्रजनन क्षमता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा यानी इससे शुक्राणुओं का स्तर कम नहीं हुआ। बता दें कि भारत में पहली बार पाए गए कोरोना वायरस के बी.1.617 और बी.1.618 वैरिएंट के खिलाफ फाइजर/बायोएनटेक और मॉडर्ना की वैक्सीन प्रभावी पाई गई है।

सीएनएन ने शोधकर्ताओं के हवाले से यह जानकारी दी है। अभी इस शोध रिपोर्ट का प्रकाशन नहीं हुआ है। एक शोध पत्र के मुताबिक लैब में सेल कल्चर के जरिये यह पाया गया है कि दोनों कंपनियों की वैक्सीन से पैदा होने वाली एंटीबॉडी इन वैरिएंट के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करती है। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि लैब में प्रयोग के नतीजों से यह साफ हो गया है कि जिन लोगों ने ये टीके लगवाएं हैं वो इन दोनों वैरिएंट से सुरक्षित हो गए हैं। हालांकि, वास्तविक वैरिएंट से इन दोनों कंपनियों की वैक्सीन किस हद तक सुरक्षा प्रदान करती है।

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष जय किशन ने राहुल गांधी के जन्म दिन पर गरीबों को राशन बाँटा।

मकोका के तहत गिरफ्तार आरोपी को मिली जमानत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने हत्या, डकैती, जबरन वसूली के केस में गिरफ्तार उस व्यक्ति को जमानत दे दी है, जिसके खिलाफ आठ साल पहले महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण गुप्ता ने सुरेंद्र भट्ट को एक निजी मुचलके और एक-एक लाख रुपए की दो जमानतों के आधार पर बेल प्रदान की। आरोपी को इस साल मार्च में मकोका की धारा 3 और 4 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

अतिरिक्त लोक अभियोजक शिव कुमार ने जमानत अर्जी खारिज करने की मांग करते हुए अदालत को अवगत कराया कि आरोपी के खिलाफ आरोप गंभीर हैं, क्योंकि वह तीन से अधिक मामलों में लिप्त रहा है, जिसमें तीन साल से अधिक की सजा शामिल है।

ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले 6 शहीद परिवारों को 1-1 करोड़ की सहायता राशि देने का एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने उन 6 शहीदों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया है, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अभूतपूर्व कार्य करते हुए देश के लिए शहादत दी । शनिवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसकी जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार, सेना,पुलिस, पैरा मिलिट्री, दिल्ली सिविल डिफेंस के जवानों के बहादुरी की कद्र करती है। वर्दी पहनने वाले हरेक उस जवान की कद्र करती है जो अपनी जान पर खेल कर भी देश और समाज की रक्षा करते है। दिल्ली सरकार इनके जज्बे को सलाम करती है। उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि सरकार में आते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाने वाले शहीदों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने शुरू किया है। इससे शहीद के परिवार के नुकसान की पूर्ति तो नहीं की जा सकती लेकिन परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया जरूर मिलेगा।

अधिकारियों के साथ बैठक में लिए निर्णय को साझा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने 6 बहादुर सिपाहियों की शहादत को नमन करते हुए उनके परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार हमेशा शहीदों के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दिल्ली सरकार की ये योजना देश की सेवा कर रहे उन सभी वदीर्धारी सैनिकों को ये आत्मविश्वास देती है कि उनके बाद भी सरकार और समाज उनके परिवार के साथ है।

इन 6 शहीद जवानों में भारतीय वायुसेना के 3 जवान, दिल्ली पुलिस के 2 जवान और दिल्ली सिविल डिफेंस के 1 जवान शामिल है। शहीदों को सम्मान देने की इस योजना के तहत दिल्ली सरकार दिल्ली निवासी या दिल्ली में ड्यूटी पर तैनात उन सभी वदीर्धारियों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देती है जो ड्यूटी के दौरान बहादुरी दिखाते हुए शहीद हुए।

दिल्ली के द्वारका निवासी फ्लाइट लेफ्टिनेंट सुनीत मोहंती जी असम में वायुसेना के एक ऑपरेशन के दौरान एक विमान दुर्घटना में देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। सुनीत जी के परिवार ने अपना इकलौता बेटा खोया है ऐसे में उनके माता-पिता को हमारी सरकार 1 करोड़ की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में रहने वाले वायुसेना के जवान राजेश कुमार जी असम में एक विमान दुर्घटना में शहीद हुए थे। आज उनकी पत्नी अपने 2 साल के बच्चे के साथ माता-पिता के यहां रहती है। दिल्ली सरकार ने स्वर्गीय राजेश कुमार जी के परिवार बेहतर भविष्य के लिए 1 करोड़ की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली के अशोक विहार के निवासी वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर मीत कुमार जी हिमाचल में मिग -21 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से शहीद हो गए। मीत कुमार के रूप में देश ने अपना एक जांबाज पायलट खो दिया है। मीत कुमार जी के इस बलिदान को नमन करते हुए दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली में वसंत विहार के निवासी और दिल्ली पुलिस में एसीपी संकेत कौशिक जी दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे। एक रात ड्यूटी के दौरान एक ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गयी। उनकी तीन बेटियाँ हैं और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनकी पत्नी प्रभा जी पर है। शहीद संकेत जी के परिवार को कोई परेशानी ना हो इसलिए दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रूपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल विकास कुमार जी ने ड्यूटी के दौरान एक गाड़ी को चेकिंग के लिए रोकने की कोशिश की तो उस गाड़ी ने उनको कुचल दिया। पूरी दिल्ली विकास कुमार जी की बहादुरी को सलाम करती है। उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया देने के लिए दिल्ली सरकार उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है।

खैरा(दक्षिण-पश्चिमक दिल्ली) के निवासी प्रवेश कुमार जी, दिल्ली सिविल डिफेंस में कार्यरत थे। सितंबर 2020 में गाड़ियों की चेकिंग करते दौरान एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया था। सरकार उनकी शहादत को नमन करती हैं और प्रवेश जी के परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने का एलान किया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के जन्मदिन को लोगों की मदद करके समर्थन भाव से सेवा दिवस के रूप में मनाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस कायकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता राहुल गांधी जी के जन्मदिन को सादगी के साथ लोगों की मदद करके समर्थन भावन से सेवा दिवस के रुप में मनाया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार अंध महाविद्यालय पंचकुईयां रोड़ गए और वहां छात्रों से मिलकर कोविड-19 महामारी में उनकी जीवनशैली में आए बदलाव, परेशानियों, उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई के बारे में जानकारी की। चौ. अनिल कुमार ने अंध विद्यालय के छात्रों को राहुल जी के जन्मदिन पर भेंट स्वरुप फलों के पैकेट, मेडिकल किट, खाने के पैकेटों के साथ वस्त्र भी समर्पित किए। इस अवसर पर चौ. अनिल कुमार के साथ महिला प्रदेश अध्यक्ष अमृता धवन, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, संदीप गोस्वामी, परवेज आलम, रमेश सब्बरवाल, महेन्द्र मंगला मुख्य रुप से मौजूद थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर श्री राहुल गांधी जी के जन्मदिन पर सभी जिला व ब्लाक कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने पूरी दिल्ली में बेसहारा और जरुरतमंदों को जरुरी चीजों के साथ, मास्क, सेनिटाईजर, मेडिकल किट, राशन किट, पक्का खाना का वितरण किया। सेवा भाव की नियत से ही आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन सभी गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को खाने-पीने की चीजे, पानी, मास्क, और भोजन के पैकेट को बांटे जो सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटी में 280 ब्लॉकां के स्कूलों में दिल्ली सरकार द्वारा राशन लेने के लिए लाईनों में लगे हुए थे। चौ. अनिल कुमार ने अंध महाविद्यालय में छात्रों से मिलकर कहा कि आप एक प्रेरणा श्रोत है। उन्होंने कहा कि गरीबों, मजूदरों, मजबूरों और बेसहारा की सेवा करना कांग्रेस पार्टी की परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी जी ने कोविड-19 महामारी के शुरूआती दौर से कांग्रेस पार्टी के माध्यम से कोविड-19 प्रभावितों की मदद के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे है। राहुल जी ने ही संक्रमण संकट के समय में मोदी सरकार को यूनिवर्सल मुफ्त वैक्सीनेशन सभी देशवासियों को लगाने का सुझाव दिया क्योंकि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में अधिकांश आबादी वैक्सीन का खर्च वहने करे की स्थिति में नही है, जिसके बाद केन्द्र सरकार ने मुफ्त वैक्सीनेशन लगाने निर्णय लिया। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं राहुल जी के जन्मदिन को लोगां की सेवा और त्याग की भावना रखते हुए नेक काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीति और ध्येय हमेशा यही रहा है कि संकट और चुनौती पूर्ण समय में लोगां की सेवा करना सर्वधर्म होता है। चौ. अनिल कुमार ने बताया कि कि दिल्ली भर में कांग्रेस कार्यकर्ता ने लोगों को न सिर्फ सूखा राशन, पका हुआ खाना, मास्क, मेडिकल किट अथवा कोविड मरीजों के लिए अन्य जीवन रक्षक तथा जरुरी चीजें बांटी बल्कि उनकी मदद भी की। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने कोविड महामारी लॉकडाउन में प्रभावित श्रमिकों, बेसहारा, गरीबों, जरुरतमंदों की सेवा करते हुए आओ मदद का हाथ बढ़ाओं के तहत कांग्रेस की रसोई के द्वारा हजारों लोगों को प्रतिदिन पौष्टिक खाना प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सहित दिल्लूली में विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकताओं पूरी दिल्ली में ऐसे संकट में खाना बांटा जब रोजगार नही होने के कारण लोग आर्थिक संकट से गुजर रहे थे।

नई आबकारी नीति से चारों निगम हो जायेंगे कंगाल

(संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति की राह मुश्किलों भरी होने वाली हैं। दिल्ली सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति ओबीसी कर्मचारी परिसंघ दिल्ली सरकार की इस नई आबकारी नीति का सडक से लेकर कोर्ट तक पुरजोर विरोध करने का मन बना चुका है। दिल्ली परिसंघ जल्द ही बड़े आन्दोलन का आगाज करके नई आबकारी नीति का योजनाबद्ध तरीके के विरोध करेगा। ये जानकारी दिल्ली परिसंघ के संयोजक वी के जाटव ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान शनिवार को दी। इस प्रेस वार्ता में परिसंघ पदाधिकारियों के अलावा 600 शराब की दुकानों को चला रहे चारों निगमों के कर्मचारी प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

परिसंघ के संयोजक वी के जाटव ने दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को हर तरह से नुकसानदेह बताया और कहा कि दिल्ली सरकार नई नीति को पूर्णरुपेन लागू करती है तो ये न केवल निगम कर्मियों बल्कि पूरी दिल्ली के लिए घातक साबित होगा। दिल्ली सरकार के ये चारों निगम राजस्व के लिए शराब की दुकानों की आमदनी पर निर्भर हैं और ऐसे में हजारों परिवारों पर अस्तित्व बचाने का संकट आ जायेगा। कर्मचारियों को ये डर है कि नई आबकारी नीति के लागू होने पर कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी और उनको सरप्लस घोषित कर जबरन वर्तमान निगम से ट्रांसफर कर अन्य निगमों में भेजा जाएगा या (कम्पलसरी) अनिवार्यतः वीआरएस दे दी जाएगी।

दिल्ली पर्यटन, दिल्ली सिविल सप्लाई, दिल्ली कंज्यूमर एवं दिल्ली औद्योगिक निगम के कर्मचारी प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि यदि दिल्ली सरकार 20 फीसद वृद्धि के लिए प्राइवेट प्लेयर्स को दिल्ली में लाना चाहती है तो हम राजस्व में 30 फीसद वृद्धि करके देंगे जिसके लिए अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता है। शराब की होम डिलीवरी की योजना का हम स्वागत करते हैं, इससे यकीनन ही राजस्व बढेगा लेकिन इसके लिए सरकारी दुकानों का निजीकरण करने की जरूरत नहीं है। दिल्ली में 600 दुकानें सरकारी हैं और हर वर्ष 5 फीसद की बढ़ोतरी के साथ सरकार को हजारों करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है इसीलिए अपने कर्मठ कर्मचारियों की निष्ठा पर शक ना किया जाए।

परिसंघ के नेताओं ने कहा कि करोना संकट की वजह से दिल्लीवासी पहले ही भारी दिक्कत में हैं और यदि इन हजारों कर्मचारियों की नौकरियां नहीं रही तो इनके परिवार भुखमरी की कगार पर आ जायेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। अगर सरकार मानती है कि दिल्ली में 2000 ठिकानों से शराब की अवैध बिक्री होती है तो सरकार, अपने कर्मचारियों को ही कटघरे में खड़ा करने की बजाय डीएम, एसडीएम और दिल्ली पुलिस के जरिये कठोर कार्रवाई करें। इस व्यापक निजीकरण नीति के कारण निगमों में तालाबंदी का संकट आ जाएगा क्योंकि आर्थिक रूप से चरमराई व्यवस्था में ये निगम अपने कर्मचारियों को तनख्वाह तक नहीं दे पाएंगे। ऐसी स्थिति में इन चारों निगमों को बंद करना पड़ेगा। इससे भी भयावह स्थिति यह होगी कि विभागों में आरक्षण नीति के द्वारा लाए गए कर्मचारियों की नौकरियां भी जाएंगी और भविष्य में आरक्षण के तहत मिलने वाली नौकरियां समाप्त हो जाएंगी जिससे दिल्ली के अनुसूचित जाति जनजाति एवं ओबीसी समुदाय को भारी नुकसान होगा, सरकार के प्रति आक्रोश उपजेगा और इस वर्ग का विश्वास भी दिल्ली सरकार से उठना शुरू हो जाएगा।

1 जुलाई से बिना आरएफआईडी टैग और पर्याप्त रिचार्ज राशि वाले कॉमर्शियल वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैध रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन आरएफआईडी टैग और पर्याप्त रिचार्ज राशि के बिना एक जुलाई से कॉमर्शियल वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण दिल्ली नगर निगम की ओर से 14 जून को जारी एक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, राजधानी दिल्ली के प्रवेश बिंदुओं पर आरएफआईडी प्रणाली लगाने का काम पूरा हो चुका है और बिक्री व्यवस्था के विभिन्न बिंदुओं पर टैग खरीदे जा सकते हैं या इनमें राशि ट्रांसफर कराई जा सकती है। नोटिस में कहा गया है कि भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आदेश संख्या 10.08.2020 द्वारा और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ईसीसी और दिल्ली में प्रवेश के लिए विशिष्ट कॉमर्शियल वाहनों से नकद रहित टोल टैक्स एकत्र करने का निर्देश दिया है। यह भी निर्देश दिया गया है कि वैध आरएफआईडी टैग और पर्याप्त रिचार्ज के बिना कॉमर्शियल वाहनों को 01.07.2021 से दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाए। नोटिस में कहा गया है कि सभी कॉमर्शियल वाहनों के चालकों और मालिकों को दिल्ली में 124 प्रवेश बिंदुओं से प्रवेश करने पर आरएफआईडी टैग दिखाना होगा। एसडीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि अब तक 5,02,323 आरएफआईडी टैग जारी किए गए हैं। नगर निगम ने यह भी कहा था कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर यात्रियों पर आरएफआईडी टैग नहीं रखने या अपर्याप्त संतुलन के लिए 15 अक्टूबर तक जुमार्ना लगाने का फैसला किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि महामारी के कारण आरएफआईडी प्रणाली को पूरा करने का काम भी धीमा हो गया है।

यूपी बॉर्डर की तरह कुंडली बॉर्डर का एक रास्ता खोलने की मांग, ग्रामीणों की महापंचायत

नई दिल्ली/सोनीपत । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को पूरी तरह से वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली-हरियाणा और यूपी बॉर्डर पर किसानों का आंदोलन पिछ्ले साढ़े छह महीने से भी अधिक समय से जारी है। इस बीच दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर किसानों की ज्यादती से स्थानीय ग्रामीण तंग आ चुके हैं। सिंघु बॉर्डर पर एक रोड खाली कराने को लेकर रविवार को महापंचायत आयोजित की गई है। वहीं, महापंचायत में किसी तरह के टकराव को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट पर है। उधर, ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, सोनीपत में सेरसा के ग्रामीण और राष्ट्रवादी परिवर्तन मंच के सदस्य गांव-गांव में महापंचायत के मद्देनजर बैठकें कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि महापंचायत के लिए विभिन्न गांवों के लोगों का समर्थन भी ग्रामीणों को मिल रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि स्थानीय लोगों की समस्या को देखते हुए जीटी रोड के एक तरफ का रास्ता खोलें। बता दें कि रास्ता खोलने को लेकर जांटी कलां में रविवार को महापंचायत बुलाई गई है। गौरतलब है कि किसान आंदोलन के चलते कुंडली बॉर्डर (सिंघु बॉर्डर) पर बंद रास्ते को खुलवाने की मांग के लिए रविवार प्रस्तावित महापंचायत में भीड़ जुटाने के लिए गांवों में लगातार बैठकें चल रही हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को नांगल कलां में बैठक कर समर्थन की मांग की गई। ग्रामीणों का कहना है कि बॉर्डर बंद होने के चलते लोग कई महीने से परेशान हैं। इसके लिए हरियाणा के साथ ही दिल्ली के गांवों से लोगों का भी समर्थन मिल रहा है। महापंचायत कर मांगों को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

किसानों ने रुकवाया ग्रीन फील्ड हाईवे का काम- उधर, गोहाना के गांव बिचपड़ी के किसानों ने शुक्रवार को अपने गांव में सोनीपत-जींद ग्रीन फील्ड हाईवे का काम रुकवा दिया। किसानों ने हाईवे पर धरना शुरू कर दिया है। किसान खेतों के पक्के रास्ते को बंद करने से नाराज हैं। किसानों ने खेतों में जाने के लिए हाईवे पर अंडरपास बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक अंडरपास नहीं बनाया जाएगा तब तक उनका धरना जारी रहेगा। किसानों ने उपायुक्त और एनएएचआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को मांगपत्र भेजे। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआइ) द्वारा सोनीपत से जींद तक ग्रीन फील्ड हाईवे तैयार करवाया जा रहा है। सोनीपत से गोहाना तक पहले से बने रोड को फोरलेन बनाया जा रहा है।

अखिल वैश्विक क्षत्रिय महासभा के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में मीटिंग संपन्न।

दिल्ली सरकार ने दिहाड़ी कामगारों की मजदूरी बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिहाड़ी कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन में वृद्धि की है। सरकार ने कहा कि सभी अधिसूचित रोजगारों में अकुशल, अर्धकुशल और कुशल श्रेणियों के संबंध में न्यूनतम मजदूरी की संशोधित दरें गत एक अप्रैल से लागू होंगी। दिल्ली सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें सभी अनुसूचित रोजगारों में अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और अन्य श्रमिकों के लिए महंगाई भत्ता एक अप्रैल-2021 से बढ़ा दिया गया है। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि ये कदम गरीब और मजदूर वर्ग के हित में उठाए गए हैं, जो मौजूदा महामारी के कारण आर्थिक रूप से पीड़ित हैं। इस आदेश से क्लरिकल और सुपरवाइजर जैसी नौकरियों वालों को भी लाभ होगा। सिसोदिया ने कहा कि हमें हालांकि कई खर्चों में कटौती करनी पड़ी है, लेकिन मजदूर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। महामारी के कारण समाज का हर वर्ग प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है। तेल और दालों जैसी दैनिक आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की परेशानी को बढ़ा दिया है। मुझे उम्मीद है कि वेतन में इस बढ़ोतरी से हमारे मजदूर भाइयों को कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की न्यूनतम मजदूरी देश में किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा है। बयान के मुताबिक, महंगाई भत्ते के तहत अकुशल मजदूरों का मासिक वेतन 15492 रुपये से बढ़ाकर 15908 रुपये कर दिया गया है। अर्धकुशल श्रमिकों का मासिक वेतन 17069 रुपये से बढ़ाकर 17537 रुपये किया गया है। कुशल श्रमिकों के लिए मासिक वेतन 18797 रुपये से बढ़ाकर 19291 रुपये किया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों के पर्यवेक्षक और लिपिक संवर्ग के लिए न्यूनतम वेतन दरों में भी वृद्धि की गई है। गैर-मैट्रिक कर्मचारियों के लिए मासिक वेतन 17069 रुपये से बढ़ाकर 17537 रुपये और मैट्रिक के कर्मचारियों के लिए 18797 रुपये से बढ़ाकर 19291 रुपये कर दिया गया है। वहीं स्नातकों और उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले लोगों के लिए मासिक वेतन 20430 रुपये से बढ़ाकर 20976 रुपये कर दिया गया है।

संपादकीय

जान से ज्यादा कीमती नहीं परीक्षा

बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा (विशेषकर सीबीएसई) को रद्द करने का फैसला इस समय उपलब्ध सभी विकल्पों में सबसे अच्छा माना जाएगा। यह अत्यंत साहसिक निर्णय है, जो देश की संवेदनशीलता को भी दिखाता है। हम सब जानते हैं कि 12वीं के तकरीबन 1.5 करोड़ परीक्षार्थियों में से कई अगले दसेक वर्षों में देश के विभिन्न स्थानों पर ऊंचे पदों पर निर्णय लेने वाली स्थिति में होंगे। इसलिए उनका भविष्य सुरक्षित रहना ही चाहिए। चूंकि अभी हम कोरोना रूपी अदृश्य शत्रु के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं, जिसका चरित्र अब भी पूरी तरह से सुलझा नहीं है, इसलिए बच्चों की सुरक्षा से बड़ा कोई दूसरा लक्ष्य अभी हो नहीं सकता। हां, बच्चों को यह चिंता जरूर होगी कि अगर उन्होंने सुनिश्चित परंपरागत परीक्षा नहीं दी, तो उन्हें संभवतः दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। हो सकता है कि विश्वविद्यालयों में प्रवेश में उन्हें कठिनाई हो, या प्रतियोगी परीक्षाओं में उन्हें मुश्किल पेश आए। लेकिन धीरे-धीरे बच्चे समझ जाएंगे कि सुरक्षा के सामने ये सभी कठिनाइयां छोटी हैं, और इस समय का उपयोग करने के लिए कई ऐसे विकल्प उनके पास हैं, जिनके बारे में उन्हें मिल-बैठकर चर्चा करनी चाहिए। पिछले कुछ महीनों में देश किन कठिन परिस्थितियों से गुजरा है, यह हर कोई जानता है। कोरोना के कारण लोग दुखी हुए, परिवार कष्ट में रहे और समाज परेशान हुआ। हमने नकारात्मकता भी देखी, जहां कुछ लोग केवल आलोचक की भूमिका में रहे और सकारात्मकता को भी सराहा, जहां व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत रूप में लोगों ने एक-दूसरे की मदद की। इससे सबक लेते हुए बच्चों को अपनी चिंता से बाहर निकलना चाहिए। उन्हें न सिर्फ दूसरों की मदद करनी चाहिए, बल्कि नकारात्मक प्रवृत्तियों से भी बाहर निकलने की कोशिश करनी चाहिए। इस समय का सदुपयोग उन्हें यह सीखने के लिए करना चाहिए कि अचानक सामने आई बड़ी से बड़ी समस्या का किस तरह से सामना किया जाता है? यह 'कान्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन' के गुर सीखने का समय है। तनाव, दबाव का बखूबी सामना करने का कौशल बच्चों को अभी सीखना चाहिए। उन्हें सरकार के इस फैसले का सार समझना चाहिए। हालांकि, उनके पास यह विकल्प भी है कि हालात सामान्य होने के बाद वे परीक्षा दे सकते हैं, इसलिए अभी ज्यादा तनाव पालने का कोई मतलब नहीं है। अब सवाल यह है कि बच्चों में सकारात्मकता आएगी कैसे? कई बच्चे यह मानते हैं कि अब तक वे पाठ्य-पुस्तक और स्कूली परीक्षाओं के दायरे में ही आगे बढ़े हैं। जीवन में पहली बार वे इस बंधन से बाहर निकल सकते हैं। जैसे, अगले कुछ महीनों का वक्त अलग-अलग विधा की किताबें पढ़ने में लगाया जा सकता है। विज्ञान के विद्यार्थी चाहें, तो समाज विज्ञान की किताबें पढ़ सकते हैं। शैक्षणिक डिग्री बेशक जरूरी हैं, लेकिन इतिहास, विरासत, भूगोल, सामाजिक संबंध आदि की समझ भी जरूरी है। वैसे भी, बंधन मुक्त पढ़ना काफी आनंददायक होता है, और 12वीं के बच्चों के पास संभवतः जीवन का यह पहला मौका होगा, जब वे बिना किसी बंधन के अलग-अलग विधा की किताबें पढ़कर आनंद का अनुभव कर सकते हैं। बच्चों को 'लाइफ लॉन्ग लर्निंग' का महत्व भी सीखना चाहिए। आज पूरा विश्व मानता है कि इसके बिना कोई दूसरा रास्ता नहीं है। परीक्षाएं हम भले ही पास कर लें, लेकिन जो ज्ञान हम प्राप्त करेंगे, वह अगले दो-चार साल बाद हमारे जीवन में कितना काम आएगा, यह समझ आवश्यक है। जैसे, 40-50 साल पहले यदि कोई टाइप राइटर सीख लेता था, तो वह कोशल कई वर्षों तक उसके काम आता था, लेकिन आज हमें यह नहीं पता कि जो कंप्यूटर हमारे हाथों में है, उसका सॉफ्टवेयर छह महीने तक भी हमारे काम का होगा अथवा नहीं? बच्चों को यह समझना चाहिए कि परिवर्तन की यह गति लगातार बढ़ती जाएगी। उन्हें अपने कौशल को निखारते हुए हमेशा कुछ-न-कुछ नया सीखना होगा, तभी जीवन आगे बढ़ सकेगा। बच्चों के पास अभी यह जानने का मौका है कि इस कौशल-विकास की प्रक्रिया में वे नया क्या और कैसे सीख सकते हैं? बच्चों को इन दिनों यह भी देखा होगा कि समाज कैसे एक-दूसरे की मदद कर रहा है। सहयोग और सेवा की यह भावना अदृश्य जरूर है, लेकिन महत्वपूर्ण है। हम यह साफ-साफ देख सकते हैं कि जो देश अनुशासन की बात करता है, ज्ञान की वकालत करता है, बच्चों के लिए संवेदनशील होता है और उनके विकास के लिए रास्ता तैयार करता है, वही तरक्की करता है। हमें यह सीख जीवनपर्यंत याद रखनी चाहिए। हमें न सिर्फ साथ-साथ रहना सीखना होगा, बल्कि सभी संस्कृतियों और देशों के बारे में भी जानना होगा। बोर्ड परीक्षा रद्द होने के बाद अब आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसको लेकर भी हमारे बच्चों को बिल्कुल चिंता नहीं करनी चाहिए। सीबीएसई और अन्य सभी बोर्डों के पास ऐसे विशेषज्ञ हैं, जो जानते हैं कि इस विपरीत परिस्थिति में क्या किया जा सकता है? पहले भी कई बार ऐसा हुआ है, जब किसी न किसी कारण से परीक्षा की कॉपियां नष्ट हो गई हैं। तब, वैज्ञानिक आधार पर बनाए गए तरीकों से बच्चों का मूल्यांकन किया गया। हमारे विशेषज्ञ इस बार भी ऐसा कोई रास्ता मिल-बैठकर निकाल लेंगे। मुमकिन है कि विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा को पीछे छोड़ते हुए बच्चे नए-नए ज्ञान अर्जित करें और सकारात्मकता दिशा में आगे बढ़ें। हमें यह भी समझना होगा कि शिक्षा की गतिशीलता ही उसकी उपयोगिता निर्धारित करती है और मानव को उसके लक्ष्यों की ओर ले जाती है। हमारी नई शिक्षा नीति में इस तरह की बातों का ख्याल रखा गया है। अगर यह लागू हो चुकी होती, तो बच्चों का सतत मूल्यांकन हम आसानी से कर पाते। मगर दुर्भाग्य है कि हमारे सभी स्कूलों में ऐसी व्यवस्था नहीं है। अगर पूरे देश में उचित अनुपात में शिक्षक हों, समाज का व्यवस्था पर विश्वास हो और अध्यापकों को पढ़ाने के अलावा किसी दूसरे कामों में न लगाया जाए, तो निश्चय ही अध्यापकों का मूल्यांकन सभी को स्वीकार्य होगा। सिद्धांत यही कहता है कि बच्चे का असल मूल्यांकन वही कर सकता है, जो उसे पढ़ाता है। उम्मीद है, मौजूदा असामान्य परिस्थितियों से सबक लेते हुए हम भविष्य के ऐसे हालात का सामना करने के लिए तैयार हो सकेंगे।

प्रवीण कुमार सिंह

क्षतिपूर्ति से कहीं अधिक गहरा होगा कोरोना के कारण चीन की प्रतिष्ठा और छवि पर लगा ग्रहण

> इसे कोविड-19 की मेहरबानी ही कहा जाएगा कि तमाम देशों ने चीन पर निर्भर आपूर्ति श्रृंखला को लेकर कड़े सबक सीखे हैं।
> चीन से अंतरराष्ट्रीय मोहभंग बढ़ा है। बदलते हालात में लैब-लीक थ्योरी मुख्यधारा में जगह बनाती जा रही है। ऐसे में वुहान लैब को लेकर अमेरिका की आधिकारिक जांच कोविड के मूल को लेकर स्थिति स्पष्ट करने में चीन पर दबाव बढ़ाएगी। कुल मिलाकर चीन को अपने कर्मों का अंजाम भुगतना ही पड़ेगा। उसकी प्रतिष्ठा और छवि पर जो ग्रहण लगेगा वह किसी भी हर्जाने से कहीं गहरा होगा।

बीते कुछ समय से वैश्विक स्तर पर ऐसे स्वर मुखर हुए हैं, जिनका जोर इस परिकल्पना की गहराई से पड़ताल करने पर है कि कोरोना वायरस वुहान लैब से निकला। अगर ऐसा हुआ है तो कोविड-19 महामारी पर पर्दा डालने का चीनी प्रयास इस सदी का सबसे बड़ा अपराध माना जाएगा। विश्व युद्ध की भांति ही यह महामारी भी पूरी दुनिया के लिए निर्णायक बन गई है। जहां से यह महामारी निकली उस देश को छोड़कर उसकी तबाही के वीभत्स निशान दुनिया भर में देखे जा रहे हैं। चीन ही इससे सबसे कम प्रभावित होने वाला देश है। यह तथ्य भी कम अजीब नहीं कि महामारी से उपजी जिस वैश्विक व्यथा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, वह चीन के लिए व्यापक आर्थिक लाभ का कारण बनी। महामारी के दौरान उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती रही। उसका निर्यात भी चढ़ता गया।

यदि किसी अन्य देश से निकला ऐसा कोई खतरनाक वायरस दुनिया भर में महामारी फैलाकर उथल-पुथल मचाता तो यकीनन वह अंतरराष्ट्रीय कठघरे में खड़ा होता, लेकिन चीन अब तक इस महामारी की जिम्मेदारी से बचता रहा है। इतना ही नहीं वह कोरोना वायरस के उद्गम को लेकर गहन जांच की दिशा को भटकाने में सफल हुआ है। कोरोना की उत्पत्ति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा गहराई से जांच किए जाने में देरी से दिखाई गई दिलचस्पी के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान महामारी की जड़ में जाने के बजाय विध्वंस मचा रहे उसके विभिन्न प्रतिरूपों पर कहीं अधिक है।

र्ष 2002-2003 में दस्तक देने वाली सार्स महामारी के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने सदस्य देशों के लिए इंटरनेशनल हेल्थ रेगुलेशन नाम से एक नियमावली जारी की थी। उसके अनुच्छेद छह में चीन सहित प्रत्येक सदस्य देश के लिए यह बाध्यकारी प्रविधान है कि किसी देश को अपने

क्षेत्र में वैश्विक जोखिम बढ़ाने वाली स्वास्थ्य समस्या को लेकर सूचनाएं एकत्र कर डब्ल्यूएचओ को 24 घंटों के भीतर सूचित करना होगा। फिर भी चीन ने इस नियम का उल्लंघन किया। डब्ल्यूएचओ के एक अंतरराष्ट्रीय पैनल ने एक हालिया रिपोर्ट में यह स्वीकार किया कि संगठन को वुहान में कोविड-19 के बारे में पहली बार सूचना ताइवान में छपी खबर और एक ऑटोमेटेड अलर्ट सिस्टम से मिली, जिसने एक अजीबोगरीब न्यूमोनिया के बारे में बताया था। एक और पहलू ने कोरोना की उत्पत्ति पर पर्दा डालने की चीनी कोशिशों में मदद की। दरअसल अमेरिकी सरकार की एजेंसियों ने 2014 से ही वुहान की खतरनाक लैब वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआइवी) को वित्तीय मदद मुहैया कराई।

बाइडन ने अपना कार्यकाल संभालते ही डब्ल्यूएचओ के साथ अमेरिका की टूटी कड़ी जोड़कर अपने पूर्ववर्ती ट्रंप द्वारा इस संस्था में सुधार के लिए बनाए गए दबाव को व्यर्थ कर दिया। बाइडन ने 26 जनवरी को एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महामारी के उद्गम को लेकर किसी भौगोलिक पहचान को नस्ली बताने का प्रविधान था। यानी बाइडन ने चीन को वायरस का स्नोत न मानने को अमेरिका की आधिकारिक नीति बना दिया। हालांकि वायरस के विभिन्न प्रतिरूपों के भौगोलिक उद्भव के उल्लेख से परहेज नहीं किया जा रहा।

सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी एजेंसियों ने चीनी सेना से जुड़ी वुहान की लैब को धनराशि क्यों दी? इस पर 15 जनवरी को अमेरिकी विदेश विभाग की फैक्टशीट में कहा गया है, अमेरिका को यकीन है कि वुहान लैब ने गुप्त परियोजनाओं पर चीनी सेना के साथ मिलकर काम किया है। ऐसे में नागरिक शोधों पर सहयोग एवं वित्तीय मदद देने वाले देशों का दायित्व है कि वे यह तय करें कि क्या उनके शोध के निष्कर्ष को गुप्त चीनी सैन्य परियोजनाओं को भी भेजा गया। फैक्ट शीट में जैविक हथियारों को लेकर चीन की मंशा पर भी सवाल उठाए गए हैं कि 46 साल पहले जैविक हथियार कन्वेंशन के अंतर्गत निर्धारित बाध्यताओं के बावजूद चीन ने अपने जैविक हथियार अनुसंधान कार्यक्रम को समाप्त नहीं किया। महामारी की जड़ की पड़ताल और भी कई कारणों से महत्वपूर्ण है। दरअसल यह चीन से निकली पहली जानलेवा बीमारी नहीं, जिसने दुनिया को अपनी जद में लिया। इससे पहले भी 1957 के एशियन फ्लू, 1968 के हांगकांग फ्लू और 1977 के रशियन फ्लू जैसी इनफ्लुएंजा महामारियों की शुरुआत चीन से ही हुई थी।

नए शोध के अनुसार करीब पांच करोड़ लोगों की जान लेने वाला 1918 का स्पेनिश फ्लू भी चीन में ही पनपा था और वहीं से ही दुनिया भर में फैला। कोविड भी चीन से निकली पहली कोरोना वायरस जनित आपदा नहीं है और न ही चीन पहली बार तथ्यों पर पर्दा डालने का काम कर रहा है।

2002-03 में 21वीं सदी की पहली महामारी सार्स के मामले में भी वह ऐसा कर चुका है। कोरोना वायरस की पूरी कुंडली समझना इसलिए भी आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी आपदा से निपटने की पर्याप्त तैयारी की जा सके।

चीन अपना दामन बचाने की कोशिश में जुटा है, लेकिन उस पर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी का अविश्वास भी बढ़ा है। इसने भी महामारी की पूरी असलियत जानने में दिलचस्पी बढ़ाई है। वुहान लैब से वायरस लीक होने वाली अवधारणा में यकीन करने वाले अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की गिनती में इजाफा होता जा रहा है।

महामारी से हुए नुकसान का चीन से मुआवजा मांगने के पक्ष में पिछले साल उठ रही अंतरराष्ट्रीय आवाजों का चीन ने आक्रामक रूप से दमन किया। इस साल ट्रंप के अलावा कोई भी ऐसी मांग नहीं कर रहा, क्योंकि ऐसा कोई भी कदम अव्यावहारिक अधिक है। वहीं बीजिंग की अंतरराष्ट्रीय ताकत और रुतबा भी असर दिखा रहा है। इसे कोविड-19 की मेहरबानी ही कहा जाएगा कि तमाम देशों ने चीन पर निर्भर आपूर्ति श्रृंखला को लेकर कड़े सबक सीखे हैं।

चीन से अंतरराष्ट्रीय मोहभंग बढ़ा है। बदलते हालात में लैब-लीक थ्योरी मुख्यधारा में जगह बनाती जा रही है। ऐसे में वुहान लैब को लेकर अमेरिका की आधिकारिक जांच कोविड के मूल को लेकर स्थिति स्पष्ट करने में चीन पर दबाव बढ़ाएगी। कुल मिलाकर चीन को अपने कर्मों का अंजाम भुगतना ही पड़ेगा। उसकी प्रतिष्ठा और छवि पर जो ग्रहण लगेगा वह किसी भी हर्जाने से कहीं गहरा होगा।

अच्छा लगा कि स्वर्ग-लोक तकनीक के मामले में भूलोक से काफी आगे है

बड़ा अद्भुत दृश्य था। अस्पताल के आइसीयू से सीधे स्वर्ग के दरवाजे पर! मैं एकदम भौंचक्का था। जिस स्वर्ग की न जाने कैसी-कैसी कल्पनाएं किया करता था, वहां बिना वीजा के अनायास पहुंच गया था। परलोक में मेरी उपस्थिति का भान होते ही दो भव्य-पुरुष मेरे निकट आए। मेरे मुंह पर बंधे मास्क को उन्होंने नोचकर फेंक दिया। मैंने प्रोटोकॉल का हवाला दिया तो उनमें से एक ने स्पष्टीकरण दिया, 'यह भूलोक नहीं है। तुम्हारे मरने के साथ ही सभी अलाएं-बलाएं समाप्त हुईं। तुम अब संपूर्ण दुखों से मुक्त हुए। यहां हवा, दवा और दुआ की कोई कमी नहीं है। यह स्थान एकदम वायरस-प्रूफ है। लेखक-आत्माओं के लिए तो यहां हमेशा बेड उपलब्ध होता है। स्वर्गलोक में रहने की तुम सभी पात्रताएं पूरी करते हो, इसलिए तुम्हारा स्वागत है।' ऐसे मधुर वचनों को सुनकर मैं अभिभूत हो उठा। तभी मुझे आगे बढ़ने का संकेत मिला। स्वर्ग-द्वार की दोनों ओर अप्सराएं खड़ी मुस्करा रही थीं। मैं दंग था। जीते-जी जिस सम्मान के लिए जिंदगी भर तरसता रहा, एक मुए वायरस ने पलक झपकते ही उससे मुझे निहाल कर दिया था। इस बार का निवेदन तनिक तल्ख था। मामले को देखते हुए मैं भी गंभीर हो गया। उसके कहे के मुताबिक मैंने उतना ही मुंह खोला, जितने की अनुमति थी। इस बार टेस्ट में पास हो गया। इसके बाद दूसरी सुकन्या ने मुझे सूचना दी कि मेरी चित्रगुप्त जी के साथ मीटिंग फिक्स हुई है। हम सबको सीधे उन्हीं के पास चलना है। इस मीटिंग को लेकर मेरे मन में तीव्र उत्सुकता हुई और फिर एक बार मन ही मन सिस्टम को प्रणाम करके उनके साथ चल पड़ा।

थोड़ी देर में ही हम चित्रगुप्त जी के बंगले में थे। वह सोफे पर विराजमान थे और सामने दीवार पर स्क्रीन में पूरा नर्क-लोक दिख रहा था।

वे घटनाओं को नजदीक से देखना चाहते थे, इसलिए बड़ी स्क्रीन के बजाय उसे अपनी हथेली में उतार लिया। मुझे उनका यह कौतुक देखकर अच्छा लगा कि स्वर्ग-लोक तकनीक के मामले में भूलोक से काफी आगे है। मेरे सामने ही उनकी हथेली पर एक-एक कर सारे चैनल खुलने लगे। ये सब वहां के थे जहां से अभी-अभी मुझे डिपोर्ट किया गया था। चित्रगुप्त जी पूछने लगे, 'सुना है वहां सिस्टम से ज्यादा डाटा की जानकारी तुम्हें है।'

अपनी प्रशंसा सुनकर मैं सामान्य बना रहा। मैंने उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि मामले को समझने के लिए कुछ नारकीय-घटनाओं को देखने की कोशिश करता हूं। उन्होंने तुरंत एक चैनल खोला। बहुत से लोग भैंसागाड़ी में लदे हुए नर्क की ओर चले जा रहे थे। चित्रगुप्त जी ने वहां ड्यूटी पर तैनात यमदूत से पूछा कि इतने सारे लोग एक के ऊपर एक क्यों लदे हुए हैं? 'इन्होंने बहुत बड़ा गुनाह किया है। ये हर चुनाव में हवा देखकर वोट डाल आते थे। उसी का प्रतिफल है कि बिना हवा और दवा के ही इन्हें मुक्ति प्रदान कर दी गई।' यमदूत ने उत्तर दिया। यह सुनकर चित्रगुप्त जी मेरी ओर मुखातिब हुए-कुछ गड़बड़ी समझ आई?

मैंने इसका रहस्य खोलते हुए बताया कि सिस्टम ने इनको गिना ही नहीं, क्योंकि किसी अस्पताल या घाट में इनका रिकॉर्ड नहीं है। इसलिए यहां के डाटा में भारी अंतर है, पर आप चिंता न करें, सब मैनेज हो जाएगा। बस, आप इस यंत्र की मेमोरी डिलीट कर दीजिए।

मानव कौल की कहानियों का संग्रह, मृत्यु, उदासी और मौन का उत्सव

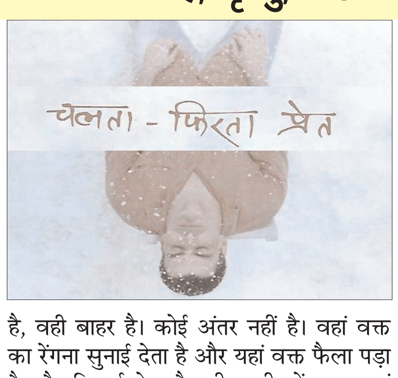

चलता फिरता प्रेत' अभिनेता और रचनाकार मानव कौल की कहानियों का संग्रह है। यह दिलचस्प है कि अपने अकेलेपन और उदासी को लेखक एक स्वगत संवाद की लड़ियों की तरह इन कहानियों में रखते हैं। दूर तक चुपचाप बिना किसी से कुछ बोले, अकेले ही चलते चले जाने की प्रक्रिया, जिसमें अवसाद कुछ गाढ़ा अवसाद बन जाए। मौन और कुछ बोल देने के बीच फैली हुई जगह में अपनी छूटी हुई ढेरों चीजों को इकट्ठा करने की कोशिश... एक कोई फ्रेम इस तरह से पकड़ना कि दूसरे का सिरा भी हाथ में रह जाने का भ्रम पैदा करे। 'ब्लू रेनकोट' कहानी में इस स्थिति को एक जगह देखा जा सकता है- 'मैं उपन्यास लिखना चाह रहा था, पर वह नहीं हुआ और फिर...' मैं चुप हो गया। 'लिखना नाखून हैं, अंगळ्लियां हैं या किसी-किसी के लिए पूरे हाथ हैं। बस! जीना पूरा शरीर है, उसे मत भूलना, पर मुझे लगता है कि मैं जो जी रहा हूं, वह जी नहीं रहा उसे लिख रहा हूं।' जाहिर है इन कहानियों को कहीं पहुंचने की जल्दी नहीं है। यहां तक कि अपने अंत तक आकर उसका परिणाम जानने में भी दिलचस्पी नहीं।

कोई अज्ञात सा भय है या जिज्ञासा... कह नहीं सकते, मगर कहानीकार का अंतर्मन उसके अगल-बगल जैसे मकड़ी के जाले सा कोई उधेड़बुन करता है। मृत्यु के पास बैठकर शांति से अपने पिछले सारे दौर को उदासी से देखने का विस्मय से भरा मनोभाव। हर कहानी का इशारा किसी तरह अंत को तिरोहित करने में सुकून पाता है। फिर वह 'घोड़ा' हो, 'पिता या पुत्र', हर जगह भाषा में बनती ये अर्थछवियां देखी जा सकती हैं। इस स्थिति को 'पिता और पुत्र' कहानी में पकड़ना चाहिए- 'भीतर नींद नहीं आती है, सो बाहर आ जाता हूं और बाहर आते ही लगता है कि यहां क्यों आ गया? जो भीतर है, वही बाहर है। कोई अंतर नहीं है। वहां वक्त का रेंगना सुनाई देता है और यहां वक्त फैला पड़ा है और दिखाई देता है। भीतर दीवारें ताकता हूं और यहां जमीन पर पड़े रोशनी के टुकड़ों को।'

भूमिका' में मानव कौल इसी बात को थोड़ा काव्यात्मक होते हुए लिखते हैं- 'सारी कहानियों का अंत तुम्हारे इंतजार की शुरुआत रहा है, कहानियों में तुम पानी हो और जब भी तुमसे संवाद करने की सोचता हूं तो गला सूख जाता है।' रिश्तों का भावनाओं से एक तरह का उपसंहार बनाते हुए वह समाज के घुटन की एक ऐसी छायाप्रति रचते हैं, जो बाहर की दुनिया में नहीं, बल्कि भीतर के संसार में घटती है। वो मौन का स्थानापन्न भी है और नजदीक आते हुए अंत का स्वागत करने का तरीका भी। हर एक कहानी के पात्र, जिनके संवाद बहुत कम हैं, जान पड़ता है लेखक के मानसिक करघे पर सूत की तरह काते जाते हैं। हर एक किरदार अपनी समग्रता को प्रश्न करता हुआ, खुद से निरपेक्ष और खुद से ही उत्साह में डूबा हुआ दिखाई देता है। एक विचित्र विरोधाभास में फंसा हुआ। मानव कौल इस रूप में थोड़े निर्मल वर्मा तो थोड़े कृष्ण बलदेव वैद बनते हैं।

यह आश्चर्य की तरह समझ में आता है कि लेखक इन दोनों की कथा भाषा से प्रेरित है या उनका एक उदार प्रशंसक बनकर उसी भाषा परंपरा में अपने गद्य के लिए भाषा का एक नया विलयन तैयार कर रहा। 'चलता फिरता प्रेत' की कहानियां बहुत हद तक निर्मल वर्मा के संस्मरणों और वैद की डायरियों की चुप्पियों में बसती हैं। उन दोनों से ही लगाव बनातीं, मगर दोनों से ही तनी हुई रस्सी की तरह दूरी का अनुपात बरतती हुई।

इन कहानियों का नैरेटिव अलग से आकर्षित करता है। एक हद तक कहा जा सकता है कि उसकी सबलता ही कहानियों की प्राण है, जिसकी जमीन कल्पना और भावनाओं को जादू के किसी खेल की तरह देखती है। संग्रह की सातों कहानियों में यह कौतुक मौजूद है। मानव कौल स्वीकारते हैं- 'कई बार मैं पानी के भीतर एक पत्थर को पकड़े बैठा रहता, पर पानी के भीतर के संसार ने मुझे कभी बहुत देर तक स्वीकार नहीं किया... या यूं कहूं कि मैं मछली होने की भरसक कोशिश करता रहा, पर मछली नहीं हो पाया कभी। मेरे लिए लिखना बिलकुल ऐसा ही है एक गहरा गोता लगाना...' संग्रह में कुछ सूत्रात्मक वाक्य सुभाषित की तरह चमकते हैं। लगता है इन वाक्य संरचनाओं से एक पूरी गद्य कविता आकार ले रही है। यह लेखक की खूबी है कि इस तरह की पंक्तियों से भी गद्य का एक रोचक स्वाद तैयार होता है, जिसे किसी युवा रचनाकार में अधीरता से अलग, इत्मीनान के संदर्भों में पढ़ा जाना चाहिए जैसे, 'जीवन सरीखा सूरज उसके घर के चक्कर काटता रहा', 'मां दिखीं, अपने सपने को मुझे सौंपती हुई', 'भाषा कितना छोटा करके रख देती हर स्वाद को...।' ये संग्रह ऐसे ही बीहड़ ढंग से भाषा, कल्पना और उदासी को आपस में फेंटकर एक यथार्थ रचता है, जिसके एक छोर पर लेखक का अंतर्मन ठिठका हुआ है।

ऊंची छलांग का अवसर देती तकनीक, नई स्टार्टअप कंपनियों के प्रयासों से दिखी आशा की किरण

> रीन्यू पावर भारत के आठ राज्यों में फैले लगभग 10 गीगावाट वाली 100 से अधिक पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। जाहिर है कि उद्यमियों द्वारा विकसित किए जा रहे विकास के ये उभरते क्षेत्र आर्थिक विकास, जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करने और जीवन को आसान बनाने के लिए अनुकरणीय उत्प्रेरक बनने के लिए तैयार हैं। निस्संदेह यह कठिन समय है, फिर भी इन यूनिकॉर्न की रोशनी से आशा की झलक मिल रही है। आगे हमें विकास के उभरते क्षेत्रों-जीनोमिक्स, क्लीन एंड कनेक्टेड मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, एडवांस सेल केमिस्ट्री में कदम रखने का प्रयास करना चाहिए। ये सभी बड़े अवसर के क्षेत्र हैं।

कोविड महामारी की दूसरी लहर अपने साथ निराशा लेकर आई। शुक्र है कि लॉकडाउन और टीकाकरण से संक्रमण के मामले कम हो रहे हैं। हालांकि इस अंधेरे के बीच हमारी अर्थव्यवस्था में कुछ रोशनी दिखाई दी है। नई स्टार्टअप कंपनियों (यूनिकॉर्न) के साथ देश में उद्यमिता का उदय हो रहा है। बैंकिंग टेक स्टार्ट-अप जीटा भारत में नवीनतम यूनिकॉर्न बन गया है, जिससे केवल चार माह में 2020 की टैली 13 यूनिकॉर्न तक पहुंच गई है। भारतीय यूनिकॉर्न पर मार्च 2021 में जारी की गई क्रेडिट सुइस रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि वित्त पोषण और कारोबारी माहौल में बदलाव के कारण भारत में 240 अरब अमेरिकी डॉलर के संयुक्त बाजार पूंजीकरण के साथ 100 यूनिकॉर्न अस्तित्व में आए हैं। आज भारत में विश्व स्तर पर यूनिकॉर्न की तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। यह देश द्वारा अभूतपूर्व गति से प्रौद्योगिकी को अपनाने से संभव हुआ है। आधार पहचान प्रणाली के माध्यम से भारत ने आज डिजिटल पहचान को बदल दिया है। आधार, बैंक खातों और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़कर हमने वित्तीय समावेशन का और विस्तार किया है तथा सिस्टम लीकेज को कम किया है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण यानी डीबीटी सरकारी धन के वितरण का जरिया बन गया है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म ने डिजिटल बैंकिंग को सुलभ बना दिया है। इसी तरह जलवायु परिवर्तन के लिए हमारी प्रतिबद्धता ने नवीकरण ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। भारत ने 1.99

रुपये प्रति किलोवाट की रिकॉर्ड कम कीमत हासिल की है। इस प्रकार कम लागत के स्मार्टफोन पर समृद्ध डाटा से फिनटेक, एडुटेक, लॉजिस्टिक्स और अक्षय ऊर्जा क्रांति को बढ़ावा मिला है।

वर्तमान में यूनिकॉर्न स्पेस में हेल्थकेयर, फार्मास्युटिकल और बायोटेक कंपनियां तेजी से उभरी हैं। पिछले साल राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन और टेलीमेडिसिन दिशानिर्देश भी लाभकारी साबित हुए थे। भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोवैक्सिन और कोविशील्ड टीके भारत में जाने-पहचाने नाम बन गए हैं। हेटेरो लैब्स ने प्रमुख जेनेरिक दवा कंपनी और दुनिया में एंटी-रेट्रोवायरल दवाओं के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की है। फार्मईजी ऑनलाइन हेल्थकेयर एग्रीगेटर के रूप में काम कर रहा है, जो स्वास्थ्य देखभाल की सुलभता, उपलब्धता और सामर्थ्य को बढ़ावा देते हुए दवाओं का वितरण करता है। यह हर महीने 20 लाख से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान कर रहा है। वहीं फिन-टेक और सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (सास) ने 0.68 डॉलर प्रति गीगाबाइट की रिकॉर्ड कम डाटा कीमतों के साथ शुरुआत की है। यह डाटा की वैश्विक औसत लागत 4.21 डॉलर से काफी कम है। आज आसान डाटा प्रबंधन, सुरक्षा और उपयोग का मूल्य असाधारण तरीके से बढ़ गया है। ड्रुवा एंटरप्राइज डाटा के प्रबंधन के लिए डाटा सुरक्षा समाधान प्रदान करता है। इसका दावा है कि 4000 से अधिक कंपनियां इसकी ग्राहक हैं। इनके अलावा हाईरेडियस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस संचालित स्वायत्त प्रणालियों की मदद से खातों में लेन-देन की प्रक्रियाओं को स्वचालित करने का काम कर रहा है। इसका प्रयोग 200 से अधिक वैश्विक कंपनियों और मध्यम आकार के उद्यमों द्वारा किया जा रहा है। इनोवैकर भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहा है। अमेरिका और भारत से बाहर काम करते हुए इसने लाखों रोगियों और 50 स्वास्थ्य देखभाल संगठनों को अपने साथ जोड़ा है। ईकॉम एक्सप्रेस ई-कॉमर्स उद्योग के लिए एंड-टू-एंड प्रौद्योगिकी समर्थित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता है। इसने 2932 सेवा केंद्रों का संचालन करते हुए जीपीएस के माध्यम से वाहनों के संचालन को डिजिटाइज किया है। उड़ान ने एक नेटवर्क केंद्रित बी2बी ट्रेड प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जिसे छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए डिजाइन किया गया है। यह पांच लाख से अधिक उत्पादों के साथ 900 शहरों में 30 लाख खुदरा विक्रेताओं, 25000 थोक विक्रेताओं को सेवा प्रदान कर रहा है।

पेरिस समझौते में हमारे निर्धारित योगदान का महत्वाकांक्षी रुख, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना, 2030 तक 450 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा का दूरदर्शी लक्ष्य और हाल में उन्नत केमिस्ट्री सेल बैटरी भंडारण एवं उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल पर केंद्रित पीएलआइ योजनाओं ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया है। आज ग्रीनको जीवाश्म ईंधन को एकीकृत डीकार्बोनाइज्ड ऊर्जा और ग्रिड परिसंपत्तियों से प्रतिस्थापित कर रहा है, जिससे सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। मित्रा एनर्जी भारत के लिए पवन और सौर ऊर्जा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसने नौ राज्यों में 17 विंड फार्मों और 21 ग्राउंड मॉनीटर्ड सोलर फार्मों में 1800 मेगावाट की संचालन संपत्तियों का निर्माण किया है। रीन्यू पावर भारत के आठ राज्यों में फैले लगभग 10 गीगावाट वाली 100 से अधिक पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं का संचालन कर रहा है।

जाहिर है कि उद्यमियों द्वारा विकसित किए जा रहे विकास के ये उभरते क्षेत्र आर्थिक विकास, जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करने और जीवन को आसान बनाने के लिए अनुकरणीय उत्प्रेरक बनने के लिए तैयार हैं। निस्संदेह यह कठिन समय है, फिर भी इन यूनिकॉर्न की रोशनी से आशा की झलक मिल रही है। आगे हमें विकास के उभरते क्षेत्रों-जीनोमिक्स, क्लीन एंड कनेक्टेड मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, एडवांस सेल केमिस्ट्री में कदम रखने का प्रयास करना चाहिए। ये सभी बड़े अवसर के क्षेत्र हैं। हमें लंबी छलांग लगाने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना चाहिए। मौजूदा महामारी हमें उन्हें अपनाने में तेजी लाने के अनूठे अवसर प्रदान करती है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

भिंड: युवकों को ट्रक ने मारी टक्कर, दो की मौत

भिंड। मेहगांव थाना क्षेत्र के गोरमी रोड पर स्थित जैन मंदिर के पास दो युवक खड़े हुए थे, जिन्हें एक ट्रक ने लापरवाही से चलाकर टक्कर मार दी जिससे वे घायल हो गए और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और उपचार के दौरान दोनों युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम 4 बजे पप्पू उर्फ सुभाष, नारायण उर्फ रविन्द्र शर्मा उम्र 34 वर्ष जो क्षेत्र के गोरमी रोड पर स्थित जैन मंदिर के पास अपना ट्रेक्टर लेकर खड़े हुए थे, इसी दौरान एक ट्रक चालक ने लापरवाही से चलाकर टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। सड़क हादसे के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्तपाल में भर्ती कराया गया, जिसमें इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

ग्वालियर: पति ने नहीं खाया पोहा तो पत्नी ने लगाई फांसी

ग्वालियर। शादी से लौटकर आए पति ने जब पत्नी द्वारा बनाए पोहा नहीं खाया तो पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। थाटीपुर थाना क्षेत्र के द्वारिकाधीश कॉलोनी निवासी हेमंत शर्मा प्राइवेट जॉब करते हैं। बीती रात वह वापस आए तो उनकी पत्नी पूनम (50) ने खाना खाने को कहा और बताया कि उसने उनके लिए पोहा बनाया है। इस पर उन्होंने कहा कि वह एक शादी में खाना खाकर आए हैं और वह खाना खा ले। इसके बाद वह छत पर टहलने चले गए और आधा घंटे बाद वापस आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने खिड़की से झांका तो पूनम फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। उन्होंने तुरंत ही दरवाजा तोड़ा और उसे फंदे से उतारकर नब्ज टटोली तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। तुरंत ही पुलिस को सूचना दी।

इंदौर: घर में घुसकर युवती को गोली मारी, फिर खुद ने मार ली

इंदौर। युवक ने युवती को घर में घुसकर गोली मार दी और बाद में खुद को मार ली। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां युवक की मौत हो गई। मामला रात करीब 9 बजे के आसपास का है। आदर्श इंदिरा नगर में रहने वाली युवती यामिनी सालवी (23) के घर नवीन परमार निवासी-गांधीनगर पहुंचा था। दोनों के बीच कुछ बातचीत हुई और नवीन ने यामिनी को गोली मार दी। गोली लगने से वह जमीन पर लहूलुहान होकर गिर पड़ी, उसे देख नवीन ने खुद को भी गोली मार ली। हादसे वाले घर के बाहर रहवासियों की भीड़ लग गई। सूचना पर छत्रीपुरा थाने से तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को हटाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी मिली है कि युवक-युवती दोनों साथ काम करते थे।

ग्वालियर: ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड के लिए बजट दिया जाए

ग्वालियर। भाजपा से राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड जो कि पूर्व में नैरोगेज रेल खंड था, को ब्राडगेज के रूप में परिवर्तित करने की स्वीकृति रेल मंत्रालय से हुई थी, उसको लेकर जो राशि स्वीकृत की गई है उसे जल्द दिया जाएं। सिंधिया ने रेल मंत्री को लिखे पत्र में उल्लेख किया है कि नैरोगेज को ब्राडगेज में बदलने की प्रक्रिया होने के बाद उसका टेंडर भी हो चुका है, उक्त प्रोजेक्ट लगभग 3 हजार करोड़ की लागत का है, लेकिन पिछले रेल बजट में मात्र 25 करोड़ रुपए जारी होने से कार्य संपादित नहीं हो पा रहा है, कोरोना काल एवं इस रेल खंड पर गैज परिवर्तन का कार्य होने के कारण मार्च 2020 से यात्री ट्रेन का संचालन भी बंद है।

जबलपुर: मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने लाखों हड़पे

जबलपुर। जालसाजों ने मेडिकल कालेज में एडमिशन कराने के नाम पर उससे करीब 11 लाख रुपये ले लिये और कूटरचित अलाटमेंट लेटर थमा दिया। गढ़ा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। राजस्थान जयपुर निवासी दिलीप सिंह राजावत ने शिकायत में कहा है कि फ्यूचर कंसलटेंसी सर्विस ग्वालियर के नाम से उनके पास राज सक्सेना ने फोन किया और उनकी बेटी इंशिका राजावत को जबलपुर मेडिकल कालेज में एडमिशन दिलाने की बात की। जिसके बाद वह जबलपुर आये तो सी रॉक होटल में उसे आरोपी राज सक्सेना, संजय सिंह व अनिल सिंह नामक युवक मिले। जिन्होंने 20 लाख रुपये में मेडिकल कालेज में बेटी का एडमिशन कराने की बात कहीं, इसके बाद आरोपियों ने उनसे 11 लाख 50 हजार रुपये ले लिये।

रायपुर: छत्तीसगढ़ में मिले 479 नए मरीज, नौ की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में 479 नए संक्रमित मरीज मिले हैं,वहीं नौ संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में 479 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं उनमें सर्वाधिक बीजापुर के 65 हैं। इसमें रायपुर के 24, बस्तर के 23,कोरिया के 27,सरगुजा के 23,सूरजपुर के 15, जशपुर के 16,बलौदा बाजार के 29,जांजगीर के 19,सुकमा के 23 तथा दंतेवाड़ा के 22 मरीज शामिल है ।इस दौरान हुई नौ मौतें के साथ ही कोरोना से होने वाली कुल मौतें बढ़कर 13377 हो गई हैं। राज्य में इस दौरान अस्पतालों एवं होमआईसोलेशन से 1001 लोग स्वस्थ हुए। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 9531 हो गई है।

सांसद द्वारा प्रस्तावित ग्रीन स्पोट्र्स सिटी के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

जबलपुर में पुलिस ने वाटर कैनन से बौछार कर कार्यकर्ताओं को किया तितर-बितर

जबलपुर, (एजेंसी)। डुमना नेचर पार्क में बीजेपी सांसद राकेश द्वारा 25 एकड़ में प्रस्तावित ग्रीन स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के निर्माण के विरोध में चिपको डुमना आंदोलन चला रही कांग्रेस ने 19 जून शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया की अगुवाई में युवा कांग्रेस ने जबलपुर में कृत्रिम पेड़ों की रैली निकाली और गिरफ्तारी दी। पुलिस ने कांग्रेसियों को रोकने के लिए चारों तरफबेरीकेटिंग की और वाटर कैनन से बौछार कर तितर-बितर किया।

चिपको डुमना आंदोलन की अगुवाई कर रहे युवा कांग्रेस के समर्थ अवस्थी के मुताबिक कोविड कॉल में लोगों ने ऑक्सीजन की उपयोगिता को अच्छी तरह से समझ लिया है। मदनमहल पहाड़ी और डुमना नेचर पार्क जबलपुर शहर के लिए ऑक्सीजोन का काम करते हैं। ऐसे में बीजेपी सांसद राकेश सिंह डुमना नेचर पार्क की हरियाली की कीमत पर वहां कांक्रीट के जंगल बनाना चाहते हैं। जबकि शहर के चारों और बहुत सी सरकारी जमीन है, जहां इस प्रोजेक्ट को शिफ्ट किया जा सकता है। बरेला के नीमखेड़ा में पहले से एक स्टेडियम है। शनिवार को बड़ी संख्या में कृत्रिम पेड़ लेकर बीजेपी सांसद राकेश सिंह के कार्यालय ज्ञापन देने निकले थे। इस दौरान कुल्हाड़ी से पेड़ काटने पर खून को प्रदर्शित करते हुए लाल कलर का उपयोग किया। वहीं कोविड में ऑक्सीजन की उपयोगिता को दर्शान के लिए स्ट्रेचर पर एक कार्यकर्ता कृत्रिम ऑक्सीजन ले रहा था। नुक्कड़ नाटक के कलाकार पेड़ों को बचाने का संदेश दे रहे थे। दोपहर पौने तीन बजे कार्यकर्ता मदनमहल चौराहे पर पहुंचे। वहां पुलिस ने बेरीकेटिंग कर आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस ने वाटर कैनन से बौछार कर उत्तेजित कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया गया। एसडीएम नमरू शिवाय अरजरिया के निर्देश पर पुलिस सभी को गिरफ्तार कर दद्दा परिसर ले गई। वहां सभी को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

अतिक्रमण हटाने के दौरान एसडीएम ने अधेड़ को मारी लात तो सीएसपी ने चांटा

घटना का वीडियो वायरल

इंदौर,(एजेंसी)। पुलिस प्रशासन और नगर निगम की टीम ने अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई के एसडीएम और सीएसपी की सड़कों पर दादागिरी दिखी। यहां एसडीएम प्रद्युमन सिन्हा और सीएसपी जयंत राठौर द्वारा मारपीट की गई, जिसका वीडियो अब वायरल होने लगा है।

शनिवार को राजेंद्र नगर क्षेत्र के चोइथराम चौराहे से लेकर तेजपुर गड़बड़ी पुलिया तक करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क पर अवैध कब्जा कर बनाई गई दुकान-मकान के अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा था। इस दौरान कार्रवाई का विरोध शुरू हुआ तो सीएसपी जयंत राठौर और एसडीएम ने अपना आपा खो दिया। बात करने पहुंच अधेड़ को एसडीएम ने लात मार दिया और देखते ही सीएसपी ने भी थप्पड़ रसीद कर दिया। पिता के साथ बदसलूकी और मारपीट होते देख बेटा सामने आ गया, जिसे सीएसपी ने जमकर धमकाया। अश्लील गालियों के बीच सीएसपी ने धमकी देते हुए कहा कि जमीन में गाड़ दूंगा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी की इस गुंडागर्दी का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल होने लगा है। निगम टीम ने यहां करीब 40 अवैध निर्माणों को हटाया। अवैध रूप से बनी इन दुकानों को काफी समय पहले से चेतावनी देकर हटाने को निगम द्वारा कहा जा रहा था। प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एबी रोड स्थित एक ढाबा और नवादा पंथ स्थित एक होटल को जमींदोज कर दिया गया था।

इंदौर में मृत बॉडी की दुर्दशा, परिजनों ने किया हंगामा

जिला अस्पताल में मर्चूरी में शव को चूहों ने कुतरा

पोस्टमॉर्टम के बाद शव की सुपुर्दगी के वक्त हुआ खुलासा, बनाई जांच कमेटी

इंदौर (एजेंसी)।

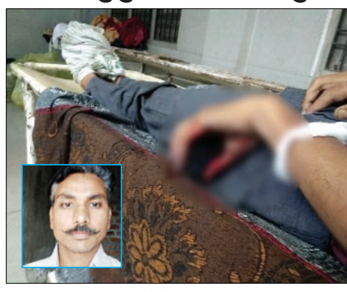

धार रोड स्थित जिला अस्पताल की मर्चूरी में शनिवार उस समय हंगामा हो गया, जब पोस्टमार्टम के लिए पुलिस के साथ पहुंचे परिजनों ने शव के ऊपर से चादर हटाई, तो चेहरा और एक हाथ को चूहों ने कुतर दिया था। वहां से खून निकल रहा था।

धार जिले के बगदुल स्थित सेजवाय गांव निवासी कृष्णकांत पुत्र रामरतन पांचाल (41) ने शुक्रवार को जहर खा लिया था। इसी दिन गंभीर हालत में दोपहर 12 बजे इंदौर के आनंद अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहां दोपहर 3.30 बजे उनकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने करीब दो घंटे में पंचनामा तैयार किया और शाम 5.30 बजे पोस्टमॉर्टम के लिए शव लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। भतीजे राहुल और गणेश ने बताया कि शाम होने की वजह से डॉक्टर ने शव पोस्टमॉर्टम रूम में रखवाने को कहा। परिजन ने शव को फ्रीजर में रखने को कहा, लेकिन वहां फ्रीजर नहीं था। कर्मचारियों ने कहा कि यहां शव रातभर ऐसे पंखे की हवा में ही रखे जाते हैं। मजबूरन परिजन लौट गए और शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे जांचकर्ता एएसआई अमरसिंह भिड़े के साथ पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे। वहां शव परीक्षण के लिए जैसे ही चादर हटाई तो परिजन चौंक गए। कृष्णकांत के शव का एक गाल चूहों ने बुरी तरह कुतर दिया था। ऐसे ही एक हाथ की अंगुलियां और हथेली कुतरी हुई थी। शव पर कई जगहों पर कुतरे जाने के छोटे-छोटे जख्म थे।

ये बोले जिम्मेदार

मामले में मेडिकल ऑफिसर डॉ. भरत वाजपेयी का कहना था कि शव के गाल मामूली कुतरे हुए थे। मेरी ड्यूटी सुबह से शाम 5 बजे तक रहती है। जब पोस्टमॉर्टम के लिए फॉर्म तैयार होते हैं तब मेरी ड्यूटी शुरू होती है। मुझे सफाईकर्मी ने बताया कि शव के गाल कुतरे हुए हैं। वैसे इंफ्रास्ट्रचर तो अस्पताल से सीएमओ, आरएमओ आदि उपलब्ध कराते हैं। मेरा काम पोस्टमॉर्टम करने का है। यहां हर हफ्ते पेस्ट कंट्रोल होता है। सिविल सर्जन डॉ. संतोष वर्मा ने बताया कि मामले की जानकारी लगने के बाद पूरे मामले की जांच के लिए एक तीन सदस्यों वाली जांच कमेटी बनाई गई है, जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षण करने शव को देखा तो एक गाल व हथेली कुतरी हुई थी

परिजन ने हंगामा किया तो स्टाफ के पास इस बात का जवाब नहीं था। बल्कि, स्टाफ ने कहा कि अस्पताल में रोजाना ड्यूटी बदलती रहती है। पोस्टमार्टम शाम 5.30 बजे बाद बंद हो जाता है। इसके बाद अस्पताल के स्टाफ द्वारा ही ताला खोलकर शव रखे जाते हैं। पुलिस जांचकर्ता ने भी पुष्टि की कि जब परीक्षण के लिए शव को देखा चूहों द्वारा एक गाल व हथेली कुतरी हुई थी।

अपराध पर अकुंश लगाने जांच एजेंसियों के पास नहीं नार्को टेस्ट की सुविधा

हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते व्यक्त की नाराजगी, मांगी रिपोर्ट

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में नार्को टेस्ट की सुविधा नहीं होने को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने अपने आदेश में तल्ख टिप्पणी करते कहा है कि अपराध व अपराधियों पर अकुंश लगाने के लिए वर्तमान प्रोद्योगिकी युग में जांच एजेंसियों के पास नार्को टेस्ट की सुविधा नहीं है। उन्होनें अपने आदेश में कहा है कि पॉलीग्राफ,नार्को तथा डीडीटी जांच प्रकरणों में छिपे तथ्यों को जानने के लिए उपयोगी है। जांच एजेंसियां इसका इस्तेमाल कर साक्ष्य एकत्रित कर सकती है। नार्को एनालिसिस भी अवैध नहीं है और अपराध व अपराधियों का पता लगाने के लिए उपयोगी उपकरण है।

एकलपीठ ने उक्त आदेश उप्र अमेटी निवासी उदय प्रताप यादव की ओर से दायर बंदी प्रत्याक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किये है। दायर याचिका में कहा गया था कि उसकी 25 साल की विवाहित बहन अपने जेठ-जेठानी के साथ ट्रेन में पति के पास अहमदाबाद गुजरात जा रही थी। पिपरिया स्टेशन में वह पानी पीने ट्रेन से उतरी थी और गायब हो गयी थी। बहन के लापता होने की उन्होने रेलवे पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी परंतु कोई कार्यवाही नहीं होने के कारण उक्त बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के बताया गया कि सीसीटीवी कैमरा की फुटेज के आधार पर आरोपी धनीराम अधिपुरिया को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी उक्त महिला को वीडियों फुटेज में ले जाते हुए तथा अगले दिन स्टेशन में छोड़कर जाते हुए दिखता है। आरोपी ने पूछताछ के बाद बताया कि वह महिला को बहला फुसलाकर ले गया था। जगह नहीं मिलने के कारण वह दूसरे दिन उसे स्टेशन में छोड़ गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि यह मानव तस्करी से जुड़ा हुआ मामला है। हाईकोर्ट ने 10 मार्च 2021 को आरोपी का नार्को टेस्ट करवाने के आदेश दिये थे। याचिका पर सरकार की ओर से बताया गया कि प्रदेश में नार्को टेस्ट कराये जाने की व्यवस्था नहीं है। नार्को टेस्ट कराने के लिए उन्हे चार सप्ताह की मोहलत दी जाये। जिसे गंभीरता से लेते हुए एकलपीठ ने उक्त तल्ख टिप्पणी की है। एकलपीठ ने आदेश की प्रति प्रदेश के प्रमुख सचिव तथा महाधिवक्ता को प्रेषित करने के निर्देश दिये हुए नार्को टेस्ट रिपोर्ट पेश करने के लिए सरकार को चार सप्ताह का समय प्रदान किया है।

लोकतंत्र सेनानी महा टीकाकरण को सफल बनाने करेंगे जनजागरण

ग्वालियर। लोकतंत्र सेनानी संघ के एक शिष्टमंडल ने शनिवार को कलेक्टर ग्वालियर से मुलाकात कर संगठन की ओर से आश्वासन दिया कि कोविड-19-वैश्विक महामारी की रोकथाम करने के लिए अंचल के लोकतंत्र सेनानी 21 जून से प्रारंभ होने जा रहे महा टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए युद्धस्तर पर जन जागरण अभियान चलाएंगे।लोकतंत्र सेनानी संघ का कहना है कि टीकाकरण अभियान सफल होने से ही कोरोना दूर भागेगा इसलिए वह घर-घर जाकर लोगों से टीकाकरण कराने की अपील करेंगे। शिष्टमंडल में संगठन के राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन विटवेकर, जिलाध्यक्ष गुलशन गोगिया, कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट ज्ञान प्रकाश गर्ग, राजेंदर आर्य आदि शामिल थे।

प्रदेश भाजपा ने देर रात घोषित की कई जिलों की कार्यसमिति

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश भाजपा ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले जिलों की कार्यसमिति की सूची शनिवार देर रात घोषित कर दी है। इसमें उज्जैन, देवास, शहडोल, नीमच और उमरिया सहित कई जिलों की सूची जारी की गई है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत की शक्रवार को हुई बैठक में जिलों की कार्यकारिणी घोषित करने को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद प्रदेश संगठन में कई जिलों की कार्यसमिति के लिए भेजे गए नामों की अनुशंसा कर दी है।

प्रदेश भाजपा की 24 जून को होने वाली पहली कार्यसमिति की बैठक के पहले प्रदेश संगठन ने जिलों की कार्यकारिणी घोषित करने की अनुशंसा कर दी है। इसके बाद पार्टी के जिला अध्यक्षों ने जिलों की कार्यसमिति और जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। अब 24 जून को होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति सदस्य व विशेष आमंत्रित सदस्य जिलों से ही वर्चुअली शामिल हो सकेंगे। कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे, जबकि भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव और राष्ट्रीय पदाधिकारी शिव प्रकाश भी मौजूद रहेंगे। शनिवार देर रात तक उज्जैन ग्रामीण, शहडोल, नीमच, उमरिया, देवास जिलों की कार्यकारिणी और कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी हो चुकी थी। इससे पहले प्रदेश कार्यसमिति की सूची भी जारी की गई थी।

श्योपुर में नियम विरुद्ध की गईं चार अनुकंपा नियुक्तियां निरस्त

तत्कालीन डीईओ ने 15 लंबित प्रकरणों में की थीं नियुक्तियां

श्योपुर, (एजेंसी)। फरवरी-मार्च 2021 में तत्कालीन डीईओ बकील सिंह रावत द्वारा लंबित अनुकंपा प्रकरणों पर नियुक्ति के क्रम में लगभग 15 नियुक्तियां की गईं। जिसकी शिकायत किसी व्यक्ति के द्वारा शासन की नियमावली के साथ जेडी ग्वालियर को की गई। शिकायत में प्राप्त तथ्यों को देखते हुए जेडी ग्वालियर द्वारा दो प्राचार्यों की एक कमेटी बनाकर मामले की जांच करवाई गई जिसमें शिकायत सही पाई गई।

तत्पश्चात जेडी ग्वालियर द्वारा जांच रिपोर्ट सहित लोकशिक्षण संचालनालय को अग्रिम कार्रवाई के लिये पत्र भेजा। जिस पर संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विगत 04 जून को आदेश जारी किया जिसमें 04 लोगों की नियुक्तियां नियम विरुद्व होने के चलते उन्हें निरस्त करने व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्थापना बाबू के पद पर पदस्थ सनी मंगल के खिलाफ अनुशासनाात्मक कार्रवाई कर कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए।

इनका कहना है...

हां यह बात सही है कि तत्कालीन डीईओ द्वारा की गई अनुकम्पा नियुक्तियों में शिकायत पर की गई जांच उपरांत 04 व्यक्तियों की नियुक्तियां नियम विरुद्व पाई गई जिसपर संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा निर्देश जारी कर चारों नियुक्तियां निरस्त करने व स्थापना बाबू पर अनुशासनात्मक कारवाई को कहा था जिसमें आदेश की परिपालना में 18 जून को चारों नियुक्तियां निरस्त कर दी गई हें और स्थापना बाबू पर भी जल्द कार्रवाही की जाएगी।

आर के उपाध्याय
जेडी शिक्षा विभाग, ग्वालियर

प्रदेश में 30 कोरोना पीड़ितों की मौत, 110 नए मामले

एक दिन 365 मरीज हुए स्वस्थ

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में कोरोना के 110 नए मरीज मिलने और 365 नए मरीजों के स्वस्थ हो जाने के बाद सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 2442 रह गई है।

राज्य स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा यहां जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश भर में कोरोना के 110 नए मामले सामने आए, जिसके बाद प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब 7,89,174 तक पहुंच गई है। वहीं 365 नए मरीजों के स्वस्थ हो जाने के बाद अब तक 7,77,995 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं। नए मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट होने के चलते प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर अब 2442 रह गई है, जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों, होम आइसोलेशन एवं संस्थागत क्वारंटाइन सेंटरों में किया जा रहा है।

संक्रमण दर 0.1 पर

इसी प्रकार 30 नए मरीजों की मौत हो जाने के बाद अब तक इस बीमारी से 8737 लोगों ने अपनी जान गवां दी है। लगातार घट रहे मामलों के चलते संक्रमण दर 0.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस बीच राजधानी भोपाल में 21, इंदौर में 22 जबलपुर में 8 के अलावा अन्य जिलों में कोरोना के नए मामले सामने आए है। वहीं 21 जिले ऐसे रहे, जहां कोरोना के एक भी मामले सामने नहीं आए।

नौजवान सैनिकों ने ली देश के नाम पर मर मिटने की कसम

जबलपुर, (एजेंसी)। जम्मू एवं कशमीर राईफल रेजीमेंटल सेंटर में कोर्स संख्या 139 के 205 रिक्रूटों को अपनी फौजी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद देश के नाम पर मर मिटने की कसम भी दिलाई गई। कोरोना के कारण बेहद सादगी से आयोजित परेड ड्रिल और अनुशासन के अनूठे प्रदर्शन के साथ 205 नौजवान प्रशिक्षु सैनिक सैन्य धुनों पर मार्च करते हुए शानदार भारतीय सेना में सम्मिलित हुए।

आक्रोश नहर परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलने पर लोस चुनाव में मतदान न करने का किया निश्चय

भीकनगांव विस क्षेत्र में प्रदर्शन, नहर नहीं तो वोट नहीं

खरगोन, (एजेंसी)। जिले के भीकनगांव विधानसभा क्षेत्र के गवला के निवासियों ने झिरन्या उद्वहन नहर परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलने को लेकर आगामी खंडवा लोकसभा उपचुनाव में किसी भी पार्टी को मतदान नहीं करने का निश्चय किया।

भीकन गांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गवला में सैकड़ों महिलाओं बच्चों और ग्रामीणों ने हाथ में तख्ती लेकर रैली निकाली और प्रदर्शन किया। उन्होंने नहर परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलने की स्थिति में खंडवा लोकसभा उपचुनाव में किसी भी पार्टी को वोट नहीं देने की चेतावनी भी दी है। खंडवा लोकसभा क्षेत्र के सांसद नंदकुमार सिंह चौहान की मृत्यु होने के चलते यहां भविष्य में उपचुनाव होने हैं। हालांकि फिलहाल चुनाव आयोग द्वारा इसकी

घोषणा नहीं की गयी है।

खंडवा लोकसभा क्षेत्र में खरगोन जिले के भीकनगांव तथा बड़वाह विधानसभा क्षेत्र भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारी भागीरथ तिरोले वह जितेंद्र पटेल ने बताया कि यह एक गैर राजनीतिक आंदोलन है। इस क्षेत्र में ढलवा मिट्टी होने के कारण तेज बरसात से फसलें खराब हो जाती है ,और दूसरी रबी की फसल के दौरान पानी नहीं बच पाता है। क्षेत्र का जलस्तर 1000 से 1200 फ़ीट नीचे है। महिपाल सिंह राठौर तथा सर्वोदय पाटीदार ने बताया कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में खेती कर फसल नहीं ले पाने के चलते किसानों को पीथमपुर, उज्जैन मक्सी , महाराष्ट्र आदि क्षेत्रों में मजदूरी करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अन्य प्रदर्शनकारियों रामलाल, कोकिला बाई, आशा बाई रामेश्वर आदि ने कहा कि आज के आंदोलन को वृहद रूप दिया जा रहा है तथा इस क्षेत्र के लाभान्वित होने वाले प्रत्येक ग्राम में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिलती है तो वे आगामी खंडवा लोकसभा उपचुनाव में किसी भी पार्टी को वोट नहीं देंगे।

एनवीडीए को भेजे गए प्रस्ताव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश शर्मा ने कहा की क्षेत्र के निवासियों की उक्त मांग वाजिब है और भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में यह शामिल है। उन्होंने कहा कि इसकी डीपीआर बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से इस बारे में चर्चा कर शीघ्र ही प्रशासनिक स्वीकृति दिलाई जाएगी। इंदिरा सागर परियोजना के मुख्य अभियंता एमएस अजनारे ने बताया कि झिरनिया व खण्डवा उद्वहन परियोजना समेत कुछ अन्य सिंचाई परियोजनाओं के प्रस्ताव एनवीडीए को भेजे गए हैं, और वह प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रिया में है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से करीब 47000 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो सकेगा।

छग में राइस मिलों पर कार्रवाई 3.35 तीन करोड़ का चावल जब्त

राजनांदगांव,(एजेंसी)। जिले में सीएम एग्रो इंडस्ट्रीज और सुरेश राइस मिल में जब्ती की बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य अधिकारियों ने करीब 3 करोड़ 35 लाख का धान, चावल और कनकी जब्त किया है। इन राइस मिलर्स पर आरोप है कि मिलिंग क्षमता के बावजूद मिलिंग कार्य नहीं किया गया। साथ ही लगभग 5 दिन से धान के उठाव के लिए डीओ रिक्वेस्ट भी नहीं किया गया। जिसके बाद छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत इन राइस मिलों में जब्ती की कार्रवाई की गई।

क्षमता के बावजूद नहीं किया गया मिलिंग कार्य

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने अनियमिता बरतने वाले राइस मिलों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

इस निर्देश पर सहायक खाद्य अधिकारी भुनेश्वर चेलक, आशीष रामटेके तथा खाद्य निरीक्षक द्रोण कामड़े के साथ जिले के राइस मिलों की जांच की गई। जांच के दौरान सीएम एग्रो इंडस्ट्रीज एवं रीवागहन का निरीक्षण किया गया। मिल के भागीदार गोल्डी पंजवानी द्वारा 6 माह की कस्टम मिलिंग क्षमता के अनुसार 96 हजार क्विंटल का अनुबंध कराकर केवल 42 हजार 544 क्विंटल धान का उठाव किया गया था, जो कि अनुबंध का मात्र 43 प्रतिशत कार्य है। इनके द्वारा कस्टम मिलिंग कार्य में रूचि नहीं ली जा रही थी।

कोझिकोड में कोविड-प्रेरित लॉकडाउन में ढील के बाद लोग मोबाइल एक्सेसरीज़ खरीदते हुए।

तिरुवनंतपुरम के विझिंजम बंदरगाह पर अधिकारियों द्वारा कोविड - 19 लॉकडाउन के प्रतिबंधों में ढील देने के बाद मछुआरे एक टोकरी में मछली ले जाते हुए।

नलगोंडा जिले के रावुलपेंटा गांव के पास मुसी नदी के किनारे से ट्रकों पर बालू लादते मजदूर.

एक नजर

राजस्थान में कांग्रेस के बाद अब भाजपा में बढ़ी तकरार, वसुंधरा समर्थकों की मोर्चेबंदी से प्रदेश नेतृत्व हैरान

जयपुर। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। वहीं अब भाजपा की लड़ाई सार्वजनिक हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खुद तो शांत है, लेकिन उनके समर्थक खुलकर मैदान में आ गए। इनकी मोर्चेबंदी से पार्टी का प्रदेश नेतृत्व हैरान है। समर्थकों ने जिला स्तर पर अपनी टीम बना ली। इनकी अगुवाई पूर्व मंत्री और विधायक कर रहे है। जिला स्तर पर युवाओं और महिलाओं को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। कोरोना काल में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 'वसुंधरा रसोई' के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन और दवाईयां वितरित की गई। समर्थकों ने 'वसुंधरा रसोई' के माध्यम से आम लोगों तक पूर्व सीएम का चेहरा और नाम पहुंचाने की कोशिश की। इसके साथ ही 'वसुंधरा समर्थक मंच' और 'वसुंधरा फैंस क्लब' नाम से ग्रुप बनाकर जिला स्तर तक लोगों को जोड़ा जा रहा है।

जिस तरह से भाजपा प्रदेश इकाई वसुंधरा और उनके समर्थकों को साइडलाइन करने में जुटी है। उससे अपना वजूद खोने की चिंता के चलते वसुंधरा समर्थकों ने सक्रियता बढ़ाई है। प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का कहना है कि अनुशासनहीनता के बारे में केंद्रीय नेतृत्व को बताया जाएगा। जिस तरह से वसुंधरा समर्थक उन्हें भावी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए जाने को लेकर मुहिम चला रहे हैं। उससे परेशान पूनिया का कहना है कि भाजपा में सीएम संसदीय बोर्ड तय करता है। उधर विपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया ने कहा,मुझे लगता है कि हमारी पार्टी के कुछ नेता कांग्रेस को साथ लेकर साजिश कर रहे हैं। यह बड़ी साजिश है। यह वक्त नहीं है कि मुख्यमंत्री के उम्मीदवार की मांग की जाए।

दोनों खेमों में सक्रियता बढ़ी -वसुंधरा समर्थकों ने पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से आलाकमान तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया है कि शीघ्र ही सीएम चेहरा घोषित किया जाना चाहिए। वसुंधरा के बिना चुनाव जीतना मुश्किल है। कुछ समर्थकों ने तो वसुंधरा ही भाजपा और भाजपा ही वसुंधरा तक कह दिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री युनूस खान,पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी, भवानी सिंह राजावत, राजपाल सिंह शेखावत और प्रहलाद गुंजल के हाथ में वसुंधरा समर्थकों को एकजुट करने की कमान है। वहीं वसुंधरा विरोधी पूनिया, कटारिया और प्रदेश भाजपा के महामंत्री मदन दिलावर का कहना है कि भाजपा व्यक्ति आधारित पार्टीनहीं है। यहां संगठन फैसला करता है।

गुजरात में 262 नए मामले, 7 जिलों में तीसरे दिन भी कोई केस नहीं

अहमदाबाद । गुजरात के 7 जिलों में लगातार तीसरे दिन कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं किया गया। जबकि 5 जिलों में संक्रमण के 1-1 मामले सामने आए। गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 262 मामले सामने आए जबकि 5 लोगों की मौत हो गई। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा तथा जामनगर के अलावा किसी भी जिले में कोरोना के मौत का मामला सामने नहीं आया। अहमदाबाद महानगर पालिका में संक्रमण के 42 केस आए तथा 2 लोगों की मौत हो गई। सूरत महानगर पालिका में 21 राजकोट 19 वडोदरा महानगर पालिका में 15 जूनागढ़ में नो जामनगर में 5 भावनगर में 1 तथा गांधीनगर महानगरपालिका में दो केस सामने आए। गुजरात में एक्टिव केस की संख्या 7230 है जबकि पिछले 24 घंटे में लोग स्वस्थ होकर घर पहुंचे। राज्य में अब तक 8 लाख 21921 लोग संक्रमित हुए जिनमें से 8 लाख 04668 लोग स्वस्थ होकर घर पहुंच गए। राज्य में कोरोना से अब तक 1 हजार 23 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में राज्य में 2 लाख 55046 लोगों को टीके लगाए गए राज्य में अब तक दो करोड़ 15 लाख 47305 टीके लगाए जा चुके हैं। राज्य के विविध जिलों में संक्रमण के केस इस प्रकार हैं सूरत 16, जूनागढ़ 12, वडोदरा 10, अमरेली 8, भरूच 8, आणंद, बनासकांठा देवभूमि द्वारका कच्छ तथा वलसाड में 7-7, पंचमहाल पोरबंदर साबरकांठा में 5-5, अरवल्ली में 4, खेड़ा 3, मेहसाणा 3, राजकोट 3, गांधीनगर दो, तापी दो, अहमदाबाद एक, महिसागर एक, दाहोद जामनगर डांग में भी 1-1 केस सामने आया। भावनगर, बोटाद, छोटा उदेपुर, मोरबी, नर्मदा, पाटण तथा सुरेंद्र नगर में पिछले 24 घंटे में कोरोना का एक भी के सामने नहीं आया तथा मौत का एक भी आंकड़ा दर्ज नहीं हुआ।

भुवनेश्वर में पिता के हाथ में 10 हजार थमा, मां की गोद से जबरन छीन लिया नवजात

भुवनेश्वर। राजधानी भुवनेश्वर स्थित मास्टर कैंटीन चौक इन दिनों चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। ऐतिहासिक घोड़े को स्थानांतरित किए जाने के प्रश्न पर एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस की तरफ से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ यहीं से दिनदहाड़े एक नवजात शिशु के बिक्री होने की घटना ने सभी को आश्चर्यचकित कर दी है। दलालों ने मां की गोद से 10 दिन के शिशु पुत्र को जबरन छीन लिया है। पिता के हाथ में 10 हजार रुपए देकर इन दलालों ने नवजात शिशु को खरीदा है। जानकारी के मुताबिक नवजात बच्चे के पिता को पैसा देकर तीन महिला दलालों ने मां की गोद से नवजात को छीन लिए। इस घटना के बारे में कैपिटल थाना के पास कोई खबर तक नहीं है। वहीं दूसरी तरफ चाइल्डलाइन की तरफ से इस संवेदनशील मामले की जांच के लिए पुलिस आयुक्त, उप पुलिस आयुक्त, जिला शिशु सुरक्षा अधिकारी एवं ओडिशा राज्य शिशु अधिकार सुरक्षा आयोग का ध्यान आकर्षित किया गया है। पिछले कुछ दिनों के बीच राजधानी भुवनेश्वर में शिशु बिक्री की यह दूसरी घटना है।

कोरोना महामारी को लेकर उत्पन्न हुई बेरोजगारी लोगों को गरीबी के दलदल में इस कदर फंसा दिया है कि कुछ एक लोग पैसे की लालच में अपने नवजात शिशु को भी बेचने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इसका लाभ कुछ दलाल उठा रहे हैं। राजधानी भुवनेश्वर में इसी तरह के कुछ दलालों के चंगुल में एक दंपत्ति फंसा है। मास्टर कैंटीन चौक पर दलाल 10 दिन के शिशु पुत्र को छीन ले गए। इसे लेकर चौक पर कुछ समय के लिए उत्तेजना का माहौल भी देखा गया। यह घटना तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। मास्टर कैंटीन चौक पर एक महिला को रोते हुए देख कर एक सामाजिक कर्मी ने उससे पूछताछ की तो घटना के बारे में पता चला। महिला ने बताया कि दलाल पति को 10000 रुपए देकर 10 दिन के शिशु पुत्र को मुझसे छीन लिया। सामाजिक कार्यकर्ता ने शिशु बिक्री के बारे में जब जानकारी ली तो दंपत्ति ने बताया कि दलाल उनकी बिना मर्जी के शिशु पुत्र को छीन कर ले गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले नयापल्ली पुलिस शिशु बिक्री मामले में बच्चे को खरीदने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया था और आज पुनः इस घटना की पुनरावृत्ति हुई है।

दुनिया में 7.56 करोड़ और भारत में 47 लाख घरेलू कामगार, कोरोना में दूसरी नौकरियों से ज्यादा बिगड़े हालात

नई दिल्ली । 10 साल पहले अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने ऐतिहासिक सम्मेलन में घरेलू कामगारों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की थी लेकिन तब से आज तक ज्यादातर घरेलू कामगारों के लिए हालात नहीं ज्यादा नहीं बदले हैं। वहीं कोरोना महामारी ने उनकी स्थिति और खराब कर दी है। आईएलओ की नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जब महामारी चरम पर थी तब यूरोप में 5 से 20 फीसद घरेलू कामगारों या सहायकों ने नौकरी गंवाई। कनाडा और दक्षिण अफ्रीका में भी कोमोबेश यही हालात हैं लेकिन अमेरिका में यह आंकड़ा कहीं ज्यादा (25 से 50 फीसद) है। वहीं दूसरी नौकरी में जॉब जाने का प्रतिशत 15 फीसद रहा। आईएलओ के डायरेक्टर जनरल गाए राइडर ने कहा, दुनिया में कुल 7.56 करोड़ घरेलू कामगार हैं। यह दुनिया के कुल रोजगार का 4.5 फीसद है। कोरोना में इन्हें काफी गहरी चोट पहुंचाई है। कोरोना संकट ने साबित कर दिया है कि घरेलू काम को औपचारिक रूप देने की तत्काल आवश्यकता है। ताकि उन्हें श्रम और सामाजिक सुरक्षा कानूनों के अंतर्गत सुरक्षा मिल सके।

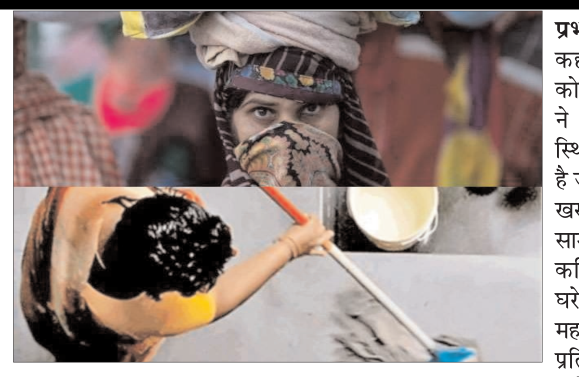

6 करोड़ से ज्यादा घरेलू कामगार प्रभावित- रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी ने काम करने की स्थिति को बिगाड़ दिया है जो पहले से ही बहुत खराब थी। श्रम और सामाजिक सुरक्षा में कमियों के कारण घरेलू कामगार इस महामारी के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील थे। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में मारामारी ने 6 करोड़ से ज्यादा घरेलू कामगारों को प्रभावित किया है। दुनिया में 36 फीसद कामगर अब भी पूरी तरह श्रम कानून के दायरे से बाहर हैं। खासकर एशिया, पैसिफिक और अरब देशों में स्थिति ज्यादा विकट है। वहीं जिन देशों में घरेलू कामगारों के लिए श्रम और सामाजिक कानूनों की सुरक्षा है वहां भी इसे लागू करने को लेकर चुनौतियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 18.8 फीसद घरेलू कामगारों को रोजगार संबंधी सामाजिक सुरक्षा कवरेज मिलता है।

भारत में 47 लाख घरेलू कामगार- भारत में कुल घरेलू कामगार 4764 018 हैं, इसमें महिलाएं 2870 801 और पुरुष 1 893 217 हैं। यह कुल नौकरियों का 1.3 फीसद है। 8.7 फीसद घरेलू कामगर नियोक्ता के घर में रहते हैं। जेंडर के आधार पर देखें तो 4.6 फीसद महिलाएं और 14.2 फीसद पुरुष नियोक्ता के घर में रहते हैं। भारत में 85 फीसद घरेलू कामगार महिलाएं घर की साफ-सफाई जैसे काम में लगी हैं। जबकि 1.7 फीसद महिला घरेलू कामगर कुक या सिक्योरिटी गार्ड जैसे कामों में लगी हैं। 5.1 महिलाएं डायरेक्ट केयर (निजी सहायक के रूप) में हैं। पुरुषों की बात करें तो 23.2 फीसद पुरुष घरेलू कामगर ड्राइवर हैं। जबकि 28.3 फीसद घरेलू सहायक, 7.4 फीसद कुक या सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। 2.2 फीसद पुरुष घरेलू कामगर निजी सहायक का काम करते हैं।

घरेलू कामगारों में महिलाएं ज्यादा

दुनिया भर में घरेलू कामगारों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। 76.2 फीसद यानी करीब 5.77 करोड़ महिलाएं इससे जुड़ी हैं। पर यूरोप, सेंट्रल एशिया और अमेरिका में जहां घरेलू कामगार महिलाएं ज्यादा हैं वहीं अरब (63.4 फीसद पुरुष) और उत्तरी अफ्रीका (50 फीसद पुरुष) में पुरुष कामगर ज्यादा हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भी पुरुष कामगर 42.6 फीसद हैं। वहीं सबसे ज्यादा 3.83 करोड़ घरेलू कामगार एशिया, पैसिफिक (खासकर चीन) में हैं। वहीं अमेरिका में इनकी संख्या 1.76 करोड़।

चेन्नई के जूलॉजिकल पॉर्क में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट दी दस्तक, चार शेर पाए गए संक्रमित

चेन्नई । चेन्नई के वंदालूर स्थित अरिगनार अन्ना जूलॉजिकल पार्क में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से चार शेर संक्रमित पाए गए हैं। इनके सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग से इस बात की जानकारी मिली है, जो भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज में किया गया। पार्क के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है।

अरिगनार अन्ना जूलॉजिकल पार्क ने 11 शेरों के सैंपल कोरोना टेस्ट के लिए एनआइएचएसएडी, भोपाल भेजे थे। गत 24 मई को चार शेर और 29 मई को सात शेरों के सैंपल भेजे गए थे। एनआइएचएसएडी, भोपाल द्वारा 3 जून को भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, 9 शेर कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके बाग से जानवरों का सक्रिय उपचार चल रहा है।

पार्क के अधिकारियों ने संस्थान से कोरोना वायरस के जीनोम सिक्वेंसिंग के परिणामों को साझा करने का अनुरोध किया था, जिसने शेरों को संक्रमित किया है। इसके बाद ही यह जानकारी सामने आई है। नौ साल की एक शेरनी नीला और 12 साल की उम्र के पथबनाथन नाम के एक नर शेर की इस महीने की शुरुआत में कोरोना से मौत हो गई थी।

शेर और शेरनी की कोरोना से मौत

बता दें कि गत बुधवार को 12 वर्षीय शेर की कोरोना से मौत हुई थी। उसको वंदालूर स्थित अरिगनार अन्ना जैविक उद्यान (एएजेडपी) के सफारी क्षेत्र में रखा गया था। इससे पहले यहां एक शेरनी की भी संक्रमण से मौत हो गई है। इस दौरान उद्यान के उप निदेशक ने एक बयान जानकारी दी थी कि कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद शेर का सघन उपचार किया जा रहा था। तीन जून को भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज ने जूलॉजिकल पार्क को भेजी गई रिपोर्ट में बताया था कि शेर कोरोना संक्रमित था। इसी दिन नौ साल की एक शेरनी की मौत कोरोना की चपेट में आने से हो गई थी। जैविक उद्यान में मौजूद 14 में से सात शेर संक्रमित पाए गए थे।

वैक्सीन के ताजा आंकड़ों पर बोला केंद्र- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी मौजूद है 2.87 करोड़ से अधिक डोज

नई दिल्ली । वैक्सीनेशन को लेकर केंद्र सरकार ने ताजा जानकारी साझा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास 2.87 करोड़ से अधिक कोविड-19 टीके अभी भी उपलब्ध हैं। साथ ही अगले तीन दिनों में 52.26 लाख से अधिक खुराक देने की जानकारी दी। मंत्रालाय ने बताया कि अब तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्र के माध्यम से मुफ्त चैनल और प्रत्यक्ष राज्य खरीद श्रेणी के माध्यम से 28,50,99,130 वैक्सीन खुराक प्रदान की गई हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इसमें से अपव्यय सहित कुल खपत 25,63,28,045 खुराक है। मंत्रालय ने बताा कि इसके अलावा, 52,26,460 से अधिक वैक्सीन खुराक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के पास है और अगले तीन दिनों में प्रदेशों को मिल जाएगी।

गौरतलब है कि 2019 के अंत में चीन के वुहान से निकले कोरोना वायरस संक्रमण ने दो-तीन महीने के अंदर ही पूरी दुनिया में तबाही मचाना शुरू कर दिया था। 11 मार्च 2020 को इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महामारी घोषित किया था। अब तक इस घातक संक्रमण से बचाव का एकमात्र उपाय वैक्सीन ही है। देश में इस साल जनवरी माह से शुरू कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के तहत कोवैक्सीन व कोविशील्ड की खुराकें दी जा रही हैं। अब इन दोनों के साथ रूसी वैक्सीन स्पुतनिक ड्ढ भी शामिल हो गई है।

भारत में कोरोना की ताजा स्थिति

हालांकि, अब भारत में कोरोना संक्रमण के मामले कम दर्ज किए जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान 60,753 नए मामले सामने आए और 1,647 संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 74 दिनों बाद सबसे कम हैं। रिकवरी रेट बढ़कर 96.16 फीसद हो गया है और दैनिक पॉजिटिविटी रेट 2.98 फीसद है

गृह मंत्रालय का राज्यों को सख्त निर्देश, कहा- सावधानी से हटाएं लॉकडाउन की पाबंदियां, अनलॉक को लेकर दी हिदायत

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एक पत्र लिखकर कोरोना महामारी से जुड़े कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी राज्यों में कोविड उपयुक्त व्यवहार और परीक्षण-ट्रैक-उपचार-टीकाकरण रणनीति का पालन करने में कोई ढिलाई नहीं की जाए। गृह मंत्रालय ने अपने पत्र में सभी राज्यों को कोरोना वायरस लॉकडाउन और अनलॉक को लेकर निर्देश दिए हैं।

गृह मंत्रालय ने अपने पत्र में लिखा है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लॉकडाउन खोलने की प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक किया गया है। राज्यों को गृह मंत्रालय ने कहा है कि लॉकडाउन खोलते समय, कोविड के उपयुक्त व्यवहार, टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट, टीकाकरण की रणनीति का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसके साथ ही कहा गया है कि कुछ राज्यों में प्रतिबंधों में ढील के कारण कोविड के उचित व्यवहार का पालन किए बिना बाजारों में लोगों की भीड़ लग गई है। ऐसी चीजों को रोकने की जरूरत है। पत्र में साथ ही लिखा गया है कि संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए कोविड के खिलाफ टीकाकरण महत्वपूर्ण है। इसलिए राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को टीकाकरण की गति बढ़ानी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने भी कहा-सावधानी जरूरी- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने भी कहा है कि सरकार ने पिछले साल महामारी को रोकने के लिए दिन रात काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सक्रिय मामलों को न्यूनतम स्तर तक लाने में सफल रहे थे। परंतु, इस साल के शुरू में वैक्सीन के आने के बाद लोग लापरवाह हो गए। उन्होंने कहा कि कोरोना अपना रूप बदलता रहा और लोग लापरवाह हो गए। लोगों ने कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करना छोड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप देश को भयावह दूसरी लहर का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक बार फिर देश के विभिन्न हिस्सों में अनलाक की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ज्यादातर हिस्सों में अधिकतर पाबंदियां खत्म कर दी गई हैं, लेकिन हमें लापरवाह नहीं होना है। जरा सी लापरवाही से आगे संक्रमण बढ़ सकता है।

पटाखा कारखाने से संबंधित दुर्घटनाओं के संबंध में होगा अध्ययन, एनजीटी ने तमिलनाडु को दिए निर्देश

नई दिल्ली । नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने तमिलनाडु में संबंधित अधिकारियों को पटाखा कारखाने से संबंधित दुर्घटनाओं के संबंध में आकस्मिक, व्यावसायिक और पर्यावरणीय खतरों की संभावना के संबंध में अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस तरह का अध्ययन तमिलनाडु राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समन्वय में औद्योगिक सुरक्षा निदेशक द्वारा तीन महीने के भीतर हो और आगे की कार्रवाई के लिए तमिलनाडु के मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौंपे। एनजीटी ने कहा कि इसके लिए समिति किसी अन्य विशेषज्ञ या व्यक्ति की सहायता ले सकती है।

बता दें कि एनजीटी ने यह निर्णय विरुधुनगर पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में घटना के कारण का पता लगाने, क्षति की सीमा और आवश्यक उपचारात्मक उपायों का पता लगाने के लिए आठ सदस्यीय समिति द्वारा दायर एक रिपोर्ट का अवलोकन करने के लिया है। एनजीटी ने कहा कि इस मामले की हाई लेवल पर समीक्षा की जरूरत है ताकी उस हिसाब से कार्रवाई की जा सके।

एनजीटी फरवरी में विरुधुनगर पटाखा फैक्ट्री विस्फोट की घटना से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें कम से कम 19 लोग मारे गए थे और 30 घायल हो गए थे। इस दौरान एनजीटी ने कहा कि आकस्मिक, व्यावसायिक और पर्यावरणीय खतरों की संभावना के संबंध में समीक्षा करने की जरूरत है।

केंद्र ने कहा- अगर कोरोना की तीसरी लहर आती है तो भारत सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार

हैदराबाद । भारत में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर का असर कम होने के साथ ही तीसरी लहर की आशंका भी जताई जा रही है। इसे लेकर अभी से सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अक्टूबर तक कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई है। इसको लेकर खबरें सामने आने के बाद केंद्र सरकार की ओर से इसका जवाब आया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि अगर भारत में कोरोना की तीसरी लहर आती है तो हम पूरी तरह से तैयार हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि भारत का चिकित्सा ढांचा पूरी तरह से सुसज्जित है और संभावित तीसरी कोविड-19 लहर का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर चिकित्सा का बुनियादी ढांचा पूरी तरह से सुसज्जित है, भले ही कोरोना की तीसरी लहर आए या नहीं। हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि लोगों को सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करना चाहिए।

गौरतलब है कि कुछ मेडिकल एक्सपर्ट्स ने संभावना जताई है कि भारत में अक्टूबर तक महामारी की तीसरी लहर आ सकती है। सर्वे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ये भी कहा है कि भारत तीसरी लहर का मुकाबला दूसरी लहर से बेहतर तरीके से करेगा। सर्वे में 40 हेल्थकेयर स्पेशलिस्ट, डॉक्टर, साइंटिस्ट, वायरोलॉजिस्ट और महामारी विशेषज्ञों को इस सर्वे में शामिल किया गया था।

3-17 जून के बीच कराए गए इस सर्वे में जिन विशेषज्ञों ने माना कि तीसरी लहर आएगी, 85 फीसदी या 24 में से 21 ने कहा कि तीसरी लहर अक्टूबर तक आएगी। तीन अन्य ने इसके अगस्त में आने की भविष्यवाणी की तो 12 ने सितंबर में शुरुआत की बात कही है। अन्य ने कहा कि तीसरी लहर नवंबर से फरवरी के बीच आ सकती है।

शेरनी मूवी लांच में जोधपुर की डॉ. कृति भारती को मिला रियल शेरनी ऑफ इंडिया का टाइटल

जोधपुर । नामचीन अभिनेत्री विद्या बालन अभिनीत शेरनी मूवी की लांचिंग में जोधपुर की पुनर्वास मनोवैज्ञानिक एवं सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.कृति भारती को रियल लाइफ शेरनीज ऑफ इंडिया टाइटल से नवाजा गया। अमेजन प्राइम वीडियो ने शेरनी मूवी के ट्विटर प्रमोशन कैंपेन में डॉ.कृतिभारती को बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की साहसिक मुहिम के लिए विशेष डेडिकेट किया। वहीं अभिनेत्री विद्या बालन व टी-सीरिज ने भी डॉ.कृति की मुहिम की मुक्तकंठ सराहना की। राजस्थान से एक मात्र डॉ.कृति को कैंपेन में शामिल किया गया है।

अभिनेत्री विद्या बालन की शेरनी मूवी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया। शेरनी मूवी के प्रमोशन कैंपेन में अमेजन प्राइम वीडियो ने देश भर से विभिन्न क्षेत्रों में साहसिक व आमूलचूल बदलाव लाने का कार्य करनी वाली नौ महिलाओं को रियल लाइफ शेरनी ऑफ इंडिया टाइटल से स्पेशल फीचर किया। जिसमें बीबीसी 100 प्रेरणा दायक महिलाओं में शामिल हो चुकी सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति भारती को बाल विवाह रोकथाम व निरस्त की साहसिक मुहिम के लिए रियल लाइफ शेरनी ऑफ इंडिया के टाइटल से नवाजा गया। वहीं अमेजन प्राइम ने मूवी के ट्विटर प्रमोशन कैंपेन में डॉ.कृति के फोटो पोस्टर को ट्वीट कर मूवी को विशेष डेडिकेट किया। जिसमे डॉ.कृति को नन्हीं मुस्कानों के रखवाले हो तुम, अंधेरी राहों के सुलगते उजाले हो तुम....स्लोगन दिया गया। जिसे कई फिल्म जगत की नामचीन हस्तियों ने रिट्वीट डॉ.कृति की तारीफ की।

डॉ.कृति भारती के जीवन संघर्ष, संघर्ष से उबरने से लेकर बाल विवाह निरस्त व रोकथाम की साहसिक मुहिम को अभिनेत्री विद्या बालन व टी-सीरिज ने भी सराहा। इसी साल महिला दिवस पर अमेरिका की चॉकलेट कंपनी हर्शी के अनूठे हर-शी कैम्पेन में भारत से डॉ.कृति भारती के फोटो के साथ चॉकलेट का स्पेशल एडिशन लांच किया था। रीबोक कंपनी ने भी डॉ. कृति भारती के सम्मान में स्पेशल शूट करवाकर सोशल मीडिया कैम्पेन चलाया था।

बाल विवाह निरस्त की मुहिम

उल्लेखनीय है कि डॉ.कृति भारती ने देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाकर अनूठी साहसिक पहल की थी। जिसे लिम्का बुक और वर्ल्ड रिकॉर्डस या व सीबीएसई पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया। डा.कृति ने अब तक 41 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवाए और हजारों बाल विवाह रूकवाए हैं। डॉ.कृति भारती को यूएसए की टैफेड मैगजीन ने वर्ल्ड टॉप 10 एक्टिविस्ट सूची में शुमार किया। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन पिक्सेल प्रोजेक्ट्स ने विश्व की 16 रोल मॉडल और बीबीसी की 100 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में शामिल किया था। डॉ.कृति यूके सरकार के नन इन थ्री सेंटर की इंटरनेशनल एडवाइजरी कमेटी में शामिल की गई है। वहीं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन गर्ल्स नॉट की ओर चेंज मेकर सम्मान, लंदन में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान ग्लोबल अवॉर्ड, मारवाड़ रत्न, मेवाड़ रत्न सहित कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

विद्या बालन ने 'मैं शेरनी' ट्रैक को कॉर्पोरेट शेरनियों को किया डेडिकेट

अमेजन प्राइम वीडियो पर हाल ही में रिलीज़ हुई विद्या बालन अभिनीत फिल्म 'शेरनी' एक अपरंपरागत विषय, तारकीय कलाकारों और एक दिलचस्प ट्रेलर के कारण सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज रही है। दर्शकों और प्रशंसकों के लिए हाल ही में म्यूजिक वीडियो 'मैं शेरनी' रिलीज किया गया था जिसे अद्भुत प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ आकर्षक, धमाकेदार गानों के साथ ट्रैक 'मैं शेरनी' को न केवल दर्शकों ने खूब सरहाया है, बल्कि फिल्म के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से शेरनियां एक साथ आई हैं। विद्या बालन ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ असल जिंदगी की बहादुर शेरनियों का एक वीडियो साझा किया है, जो अपनी कॉर्पोरेट जॉब में छाई हुई हैं और अन्य जिम्मेदारियों को भी उसी ताकत से संतुलित कर रही हैं। घने जंगलों के अलावा, शहरी जंगल में भी शेरनी को देखने के लिए आपको दूर तक देखने की जरूरत नहीं है। वीडियो में, विभिन्न इंडस्ट्रीज के व्यापक क्रॉस-सेक्शन से कुछ निडर भारतीय कॉर्पोरेट लीडर्स को हाइलाइट किया गया है। पुरानी सोच को तोड़ते हुए, शेरनी जमीन की स्थिति को जानते हुए लंबी और सतर्क खड़ी है। देश सुरक्षित हाथों में है। हर वीडियो में सभी की जिंदगी से शेरनी को दिखाया गया है। इंटरनेट फेमस सुमुखी सुरेश, रूही दोसानी, फेबी मेक अप आर्टिस्ट और ब्रूइज्ड पासपोर्ट ने अपने सोशल मीडिया पर 'मैं शेरनी' ट्रैक का इस्तेमाल करते हुए अपने भीतर की शेरनी को गर्व से पेश किया है। उनकी ताकत, इच्छाशक्ति और धैर्य के कारण - इस ट्रैक ने सभी और विशेषकर महिलाओं के साथ सही तालमेल बिठाया है। फिल्म शेरनी में विद्या बालन के साथ-साथ शरद सक्सेना, मुकुल चड्ढा, विजय राज, इला अरुण, बृजेंद्र कला और नीरज काबी जैसे नाम आपका मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। टी-सीरीज़ और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, यह मस्ट-वॉच ड्रामा न्यूटन-फेम निर्देशक अमित मसुरकर द्वारा निर्देशित है।

आलिया भट्ट ने डार्लिंग के लिए तैयारी शुरू की, इस खान के साथ आएंगी नजर

अदाकारा आलिया भट्ट ने शाहरुख खान की अगली होम प्रोडक्शन फिल्म 'डार्लिंग' की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें शेफाली शाह भी नजर आएंगी। मां और बेटी की कहानी पर आधारित 'डार्लिंग' में मुंबई के रूढिवादी निम्न मध्यवर्गीय परिवेश को दिखाया जाएगा, जहां दोनों असाधारण परिस्थितियों में साहस दिखाते हुए अपने-अपने प्यार को पाती हैं।

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर पटकथा की एक तस्वीर भी साझा की है और इस पोस्ट को शीर्षक दिया है ''तैयारी'। जसमीत के. रीन के निर्देशन में यह फिल्म बनेगी और आलिया इससे फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में विजय वर्मा और रोशन मैथ्यू भी दिखेंगे। 'डार्लिंग' के अलावा आलिया, अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र', संजय लीला भंसाली निर्देशित 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और एसएस राजामौली की 'आरआरआर' में भी नजर आएंगी।

धूम 4 में नजर आ सकते हैं अक्षय कुमार और सलमान खान? सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा

पिछले काफी समय से फैन्स सुपरहिट फिल्म धूम की चौथी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा सामने आई है कि इस फिल्म के लिए अक्षय कुमार और सलमान खान के नाम फाइनल कर दिए गए हैं। बॉलिवुड में अगर सबसे सफल और पाप्युलर ऐशन फ्रेंचाइज की बात की जाए तो उसमें 'धूम' का नाम जरूर लिया जाएगा। इस फ्रेंचाइज की 3 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। शुरू की 2 फिल्में बेहद पसंद की गई थीं जबकि तीसरे पार्ट को मिलाजुला रिस्पॉन्स मिला था। अब फैन्स काफी समय से इसके चौथे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं मगर अभी तक फिल्म को प्रड्यूस करने वाले यशराज ने कुछ भी कन्फर्म नहीं किया है। मगर सोशल मीडिया पर अब कुछ अलग ही चर्चा सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर हाल में कुछ ऐसे ट्वीट्स सामने आए हैं जिनमें कहा जा रहा है कि 'धूम 4' के लिए अक्षय कुमार और सलमान खान का नाम फाइनल किया जा चुका है। इन ट्वीट्स को देखकर अक्षय और सलमान के फैन्स भी काफी उत्साहित हैं। हालांकि इस मामले पर अभी तक अक्षय कुमार, सलमान खान या यशराज के मालिक आदित्य चोपड़ा की तरफ से कुछ भी नहीं कहा गया है। बता दें कि 'धूम' के पहले पार्ट में जॉन अब्राहम, दूसरे में रितिक रोशन और तीसरे में आमिर खान ने विलन का मेन किरदार निभाया था। इन तीनों ही फिल्मों में एसीपी जय और अली के किरदार में अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा की भूमिकाएं कॉमन थीं। अब देखना होगा कि इस फ्रेंचाइज के चौथे पार्ट में इन पुराने किरदारों को रिपीट किया जाता है या बिल्कुल ही नए किरदारों के साथ कहानी को आगे बढ़ाया जाएगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान की हाल में फिल्म 'राधे' रिलीज हुई थी। अब सलमान खान 'अंतिम: द फाइनल ट्रुथ' में नजर आएंगे। इसके अलावा जल्द ही वह अपनी अगली फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा खबर है कि सलमान खान तेलुगू सुपरहिट फिल्म 'खिलाड़ी' के हिंदी रीमेक में भी नजर आ सकते हैं। अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी कई फिल्म जल्द रिलीज हो सकती हैं जिनमें 'बेल बॉटम', 'अतरंगी रे', 'पृथ्वीराज' शामिल हैं। इसके अलावा वह 'रक्षा बंधन' और 'राम सेतु' में भी काम कर रहे हैं।

मेंटल हेल्थ पर लोगों को जागरूक करने के लिए दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया 'ए चेन ऑफ वेलबीइंग'

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अक्सर लोगों को जागरूक करती रहती हैं। वहीं अब दीपिका ने अपने सोशल मीडिया पर 'ए चेन ऑफ वेलबीइंग' लॉन्च किया है, जो एक डिजिटल गाइड है और उन चीजों को आगे लाने पर केंद्रित है जो लोगों को समग्र निराशा / भारीपन से निपटने में सहायता करेगी विशेष रूप से आज के कठिन वक़्त में। दीपिका ने इंस्टाग्राम के 'गाइड्स' फीचर का इस्तेमाल करते हुए 'ए चेन ऑफ वेलबीइंग' की चेक लिस्ट को कंपाइल किया है। इसका परिचय देते हुए उन्होंने लिखा, 'ध्यान रखने के लिए एक रिमाइंडर।' अभिनेत्री द्वारा कई अन्य सोशल मीडिया हैंडल के सहयोग से वेलबीइंग गाइड लॉन्च किया गया है, जो एक समान लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं, ताकि दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने में मदद मिल सके। 'संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी' यूनिसेफ, भारत ने भी कई अन्य डिजिटल प्रभावितों के साथ चेन ऑफ वेलबीइंग के लिए अभिनेत्री के साथ भागीदारी की है। हाल ही में, यूनिसेफ इंडिया ने दीपिका और 'द लिव लाफ लव फाउंडेशन' को टैग करते हुए अपने सोशल मीडिया पर 'मैनेजिंग ट्रॉमा एंड लॉस' पर एक गाइड साझा की थी। अन्य कंटेंट क्रिएटर्स और इंफ्लुएंसर्स ने भी अभिनेत्री की पहल 'विटामिन स्ट्री', 'द आर्टिडोट', 'सुनाक्षा अय्यर' इत्यादि का समर्थन करने के लिए अपने सोशल मीडिया पर इसी तरह के पोस्ट साझा किए हैं। इसका इरादा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में लीडर्स और शक्तिशाली आवाजों के साथ एक गाइड तैयार करना है जो जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करेगा। इससे पहले भी, दीपिका ने मई 2020 में कोविड -19 की पहली लहर के दौरान सोशल मीडिया के बड़े प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के साथ सहयोग करते हुए 'वेलनेस गाइड' को लॉन्च किया था।

शेफाली शाह के निर्देशन में बनी 'समडे' को भारतीय फिल्म समारोह स्टटगार्ट 2021 में किया जाएगा प्रदर्शित

इस साल अप्रैल में, शेफाली शाह के निर्देशन में बनी पहली फिल्म, 'समडे' को ऑस्कर से मान्यता प्राप्त '51वें वार्षिक यूएसए फिल्म फेस्टिवल की अंतरराष्ट्रीय शॉर्ट फिल्म और वीडियो प्रतियोगिता' के लिए चुना गया था। अब, बहुमुखी अभिनेत्री द्वारा लिखित और निर्देशित शॉर्ट फिल्म, जर्मनी में 18वें भारतीय फिल्म महोत्सव स्टटगार्ट में आधिकारिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी। फिल्मों को फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, शार्ट फिल्म और एनीमेशन श्रेणियों में प्रदर्शित किया जाएगा। 'समडे' दो महिलाओं की कहानी है, जो गर्भनाल से एकजुट होकर एक द्वार से अलग हो जाती हैं। विधी, एक फ्रंटलाइन वॉरियर है, जो आज की मेडिकल स्थिति में फसी है। ड्यूटी पर 15 दिनों के बाद, वह 7-दिवसीय क्वारंटीन के लिए घर आती है। यूरोप में सबसे बड़े भारतीय फिल्म समारोहों में से एक के रूप में प्रसिद्ध 18वां भारतीय फिल्म महोत्सव स्टटगार्ट 21 से 25 जुलाई 2021 तक निर्धारित है, जिसमें मुख्यधारा की हिन्दी प्रस्तुतियों के साथ-साथ इंडियन आर्ट हॉउस, डॉक्यूमेंट्री, एनीमेशन और शॉर्ट फिल्में सहित विभिन्न शैलियों की फिल्मों का विस्तृत चयन किया जाएगा। इसके अतिरित, उत्सव के आयोजकों को न्यूकमर फिल्मों को व्यापक दर्शकों के लिए उपलध कराने में गहरी रुचि है।

धमाकेदार डिजिटल डेब्यू करेंगे टाइगर श्रॉफ, नेटफ्लिक्स के साथ मिलाया हाथ!

कोरोना काल में कई बॉलीवुड स्टार ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख कर चुके हैं। वहीं कई सितारें जल्द ही? डिजिटल डेब्यू करने वाले हैं। अब इस? लिस्ट में एक और एक्टर का नाम शामिल होने जा रहा है। खबरें हैं कि टाइगर श्रॉफ जल्द ही डिजिटल प्लेटफार्म पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के अनुसार टाइगर श्रॉफ ने नेटफ्लिक्स के साथ एक डील साइन की है। टाइगर नेटफ्लिक्स की एक्शन से भरपूर एक वेब सीरीज में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि टाइगर और नेटफ्लिक्स के बीच डील की बातचीत चल रही है और जल्द इस प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह सीरीज एक्शन से भरपूर होने वाली है। हालांकि इस वेब सीरीज को कौन बनाएगा और इसका विषय क्या होगा, इस बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि अमिताभ बच्चन, सलमान खान, आयुष्मान खुराना समेत कई बड़े सितारे डिजिटल प्लेटफार्म पर अपनी दस्तक दे चुके हैं। वहीं अजय देवगन, अक्षय कुमार, शाहिद कपूर और रितिक रोशन भी जल्द डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही हीरोपंती 2 में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास 'बागी 4' और 'गणपत' जैसी फिल्में भी है।

आईएसएल और आई लीग में विदेशी खिलाड़ियों को नहीं खिलाए : स्टिमक

अमेरिकी ओलंपिक ट्रैक और फील्ड ट्रायल में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ के दौरान चौथी हीट जीतने के बाद जश्न मनाती हुई कैरी रिचर्डसन।

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे फुटबॉलरों के अभाव पर चिंता व्यक्त कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई लीग से सुनील छेत्री जैसे खिलाड़ियों को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। भारत के पास अच्छे स्ट्राइकरों के अभाव का सबूत कतर में विश्वकप क्वालीफायर मैचों में स्पष्ट रूप से सामने आया। भारत उम्रदराज सुनील छेत्री पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रहा। उन्होंने बांग्लादेश के विरुद्ध दो गोल किए,इसके बाद भारत अपनी एकमात्र जीत दर्ज करने में सफल रहा। भारत के 2023 एशियाई कप के अंतिम क्वालीफाईंग राउंड में जगह बनाने के बाद स्टिमक से अगले छेत्री के बारे में पूछे जाने पर उल्टे सवाल दाग दिए। आपको क्या लगता है कि भारत में कौन सा खिलाड़ी छेत्री की जगह ले सकता है क्या आपको कोई ऐसा खिलाड़ी नजर आता है, जो सेंटर फारवर्ड के रूप में अहम भूमिका निभा सके उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम को क्लबों से निकले खिलाड़ियों का फायदा मिलना चाहिए। राष्ट्रीय टीम कोई अकादमी नहीं है। हम खिलाड़ी पैदा करने की फैक्टरी नहीं हैं। टीम को उन कमजोरियों का सामना करना पड़ रहा है जो देश की शीर्ष लीग आईएसएल में दृष्टिगोचर होती हैं। हम उन्हीं खिलाड़ियों का उपयोग कर सकते हैं जो हमें आईएसएल, आई लीग या भारत की अन्य छोटी लीगों से मिलते हैं। राष्ट्रीय टीम के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। लेकिन हम उस (छेत्री) जैसा खिलाड़ी कहां खोजें

उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तब तकनीकी दक्षता रखने वाले खिलाड़ी बहुत अधिक नहीं हैं। अधिकतर टीमों में प्रमुख स्थानों पर विदेशी खिलाड़ी खेलते हैं। इसकारण खिलाड़ियों के चयन के लिए हमारा आधार बेहद सीमित है। और यह आसान नहीं है। जब हम भारतीय खिलाड़ियों का चयन करते हैं,तब हमारे पास बहुत कम विकल्प होते हैं। स्टिमक ने कार्यकाल हाल में सितंबर तक बढ़ाया गया था। उन्होंने आईएसएल में रेलीगेशन प्रणाली नहीं होने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुझे गलत नहीं समझें लेकिन आईएसएल आप पर दबाव नहीं बना रहा है। उसमें टीमों पर दूसरी श्रेणी में खिसकने का दबाव नहीं होता है। यह शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलने से बहुत भिन्न है। स्टिमक ने इसके साथ ही सुझाव दिया कि आई लीग में विदेशी स्ट्राइकरों को नहीं खिलाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें आई लीग को भी विदेशी खिलाड़ियों के बिना खेलने पर विचार करना चाहिए। इससे भारतीय स्ट्राइकरों, मिडफील्डरों और सेंटर बैक के लिए रास्ता खुलेगा। इससे तीन चार वर्षों में राष्ट्रीय टीम को बहुत मदद मिलेगी। स्टिमक से सितंबर के बाद की उनकी योजनाओं के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा कि मैं एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ) के साथ सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे जो सहयोग मिला मैं उसकी सराहना करता हूं। हमारे पास भविष्य के लिये अच्छा मंच है। उन्होंने कहा कि मेरे भविष्य का फैसला एआईएफएफ तकनीकी समिति, एआईएफएफ और अध्यक्ष को करना है। यदि वे मेरे प्रदर्शन से खुश नहीं होते हैं तो मुझे यह स्वीकार होगा। मुख्य कोच ने कहा कि वह अगस्त में राष्ट्रीय शिविर शुरू करना चाहते हैं और आईएसएल शुरू होने से पहले कुछ मैत्री मैचों में खेलना चाहते हैं।

पत्नी प्रियंका को प्रपोज करने ऑस्ट्रेलिया से इंग्लैंड जा पहुंचे थे रैना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले साल ही इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना इन दिनों अपनी किताब को लेकर चर्चा में हैं। इस किताब में रैना के क्रिकेट करियर में आए उतार चढ़ाव को लेकर भी कई खुलासे किए गए हैं। फिलहाल चेन्नई सुपर किंग्स का यह खिलाड़ी अपनी ऑटोबायोग्राफी के प्रमोशन में बिजी हैं।

इस बीच उन्होंने अपनी लव स्टोरी का भी खुलासा किया है। रैना ने बताया कैसे उन्होंने प्रियंका को प्रपोज करने के लिए ऑस्ट्रेलिया से इंग्लैंड तक का लंबा सफर तय किया था, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने उन्हें इस लंबे सफर के लिए मना भी किया था। रैना ने बताया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम को 7 से 8 दिन का समय मिला था। उस दौरान हर खिलाड़ी को कुछ भी करने की छुट्टी थी। ऐसे में वह इस समय का फायदा उठाकर प्रियंका को प्रपोज करने इंग्लैंड जा पहुंचे थे। रैना ने कहा कि माही भाई ने बोला था कि तुम ऑस्ट्रेलिया छोड़कर इंग्लैंड जा रहे हो, प्रियंका को प्रपोज करने। देख लो बाद में कोई और भी मिल जाएगी। इसके बाद मैंने उन्हें बोला कि नहीं भाई मुझे जाना है। रैना ने कहा कि मेरे पास यूके का वीजा था। मैंने बीसीसीआई से परमिशन ली। हम लोग पर्थ में थे। प्रियंका को प्रपोज करने के लिए पहले पर्थ से दुबई तक का 16 घंटे का सफर किया और फिर दुबई से इंग्लैंड तक का 10 से 12 घंटे का सफर तय किया।

उन्होंने कहा अगर उस समय वो फ्लाइट नहीं लेते तो पता नहीं आज कहां पर होते। रैना ने कहा खेलना आसान है, मगर किसी लड़की को प्रपोज करना मुश्किल काम है।

इंग्लैंड ने बल्लेबाजी में बनाया था वर्ल्ड रेकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया को मिली थी शर्मनाक हार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ष 2015 के वर्ल्ड कप के बाद इंग्लैंड ने नई रणनीति बनाई। उसने इसके लिए तैयारी शुरू की। इसी तैयारी का हिस्सा था आक्रामक क्रिकेट। ओपनिंग से लेकर मध्यक्रम तक, जो बल्लेबाज आए वह बस अपने शॉट खेले। और आज ही के दिन साल 2018 में यह खास मुकाम पर पहुंची। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इंटरनैशनल में लगभग 500 रन बना दिए थे। इंग्लैंड के सामने ऑस्ट्रेलिया थी, जिसे हार का सामना करना पड़ा। सीरीज के पहले दो मैच वह हार चुकी थी। यह तीसरा मैच था। कप्तान टिम पेन ने टॉस जीता और इंग्लैंड को ट्रेंट ब्रिज की इस विकेट पर बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंग्लैंड जैसे इस मौके के इंतजार में थी। उसने इसमें और अधिक कसर निकाली। जब 50 ओवर समाप्त हुए तो इंग्लैंड का स्कोर था 6 विकेट पर 481 रन। उसने अपना ही 446 रन का रेकॉर्ड तोड़ा था।

इंग्लैंड ने जॉनी बेयरस्टो और जेसन रॉय की ताबड़तोड़ ओपनिंग पार्टनरशिप के दम पर शुरूआत की। इंग्लैंड में 8वें ओवर में 50 रन पूरे किए और 14वें ओवर में स्कोर 100 के पार जा चुका था। दाएं हाथ के इन बल्लेबाजों की जोड़ी लगातार ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर हमला कर रही थी। इंग्लैंड के लिए पहले विकेट के लिए 159 रन की पार्टनरशिप हुई। 19।3 ओवर में। रॉय 61 गेंद पर 82 रन बनाकर रन आउट हुए। इस साझेदारी को तोड़ने का यही तरीका संभव था। चूंकि गेंदबाजों के पास कोई रास्ता नहीं था और कप्तान टिम पेन के दर्द का कोई इलाज नहीं था।

बेयरस्टो (92 गेंद पर 139) और एलेक्स हेल्स (92 गेंद पर 147) ने इंग्लैंड की पारी को जेट स्पीड से आगे बढ़ाया। इन दोनों के बीच 151 रन की साझेदारी हुई। और वह भी लगभग 15 ओवर में। इस जोड़ी ने कुल 31 चौके और 10 छक्के लगाए। इंग्लैंड की पारी के कुल 291 रन बाउंड्री में बने। कप्तान इयॉन मॉर्गन ने 30 गेंद पर 67 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने कुल 8 गेंदबाज इस्तेमाल किए लेकिन कोई भी ऐसा नजर नहीं आया तो अंग्रेजों की रनों की सुनामी को थाम सके। किसी ने भी सात रन प्रति ओवर से कम से रन नहीं दिए। ऐंड्रू टाय वनडे इंटरनैशनल में 100 रन से ज्यादा देने वाले 12वें गेंदबाज बन गए। उन्होंने शर्मनाक सेंचुरी लगाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम 239 रन पर ही ऑल आउट हो गई। उसे 242 रन से हार का सामना करना पड़ा।

जर्मनी में एटीपी टेनिस टूनार्मेंट में जर्मनी के फिलिप कोहल्सच्रेइबर रिटर्न शॉट लगाते हुए। यह मैच रूस के आंद्रेई रुबेलोव हाले के साथ था।

टीम इंडिया के फील्डिंग कोच श्रीधर ने गिल को बताया मिलियन डॉलर क्रिकेटर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने युवा ओपनर शुभमन गिल की जमकर तारीफ की। श्रीधर ने गिल की तारीफ करते हुए उन्हें मिलियन डॉलर क्रिकेटर करार दिया है। आर श्रीधर का कहना है कि वह इस प्रतिभावान खिलाड़ी की बैटिंग देखने को लेकर ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहते।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए शुभमन को मयंक अग्रवाल और केएल राहुल पर तरजीह दी गई है। भारतीय टीम को कीवी टीम के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल शुक्रवार से खेलना था लेकिन बारिश की वजह से पहले दिन का खेल एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। शुभमन का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। इसके बाद आईपीएल 2021 के पहले हाफ में भी वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके।

एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक श्रीधर ने कहा गिल मिलियन डॉलर क्रिकेटर हैं। वह इस समय शानदार फॉर्म में हैं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और मैं उन्हें जल्द खेलते हुए देखना चाहता हूं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तय नियमों के अनुसार अब जरूरत पड़ने पर छठे दिन भी खेल हो सकता है, क्योंकि पहले दिन ही छह घंटे का खेल बर्बाद हो गया। बारिश और तूफान की भविष्यवाणी पहले से ही थी और कल शाम से ही जमकर वर्षा होने लगी जो दोपहर बाद तक भी जारी रही। चारों तरफ पानी जमा होने के कारण मैदान काफी गीला हो गया जिसे सुखाने की अच्छी व्यवस्था होने के बावजूद पहले दिन का खेल होना संभव नहीं था। अंपायर माइकल गॉ और रिचर्ड इलिंगवर्थ ने कई बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर दिन का खेल समाप्त करने की घोषणा की।

स्टुअर्ट ब्रॉड को बचपन से था अस्थमा

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड मौजूदा दौर के दिग्गज तेज गेंदबाजों में से एक हैं। टेस्ट क्रिकेट में 523 विकेट ले चुके ब्रॉड आज क्रिकेट की दुनिया का बड़ा नाम हैं। लेकिन एक बात जानकर आपको हैरानी होगी कि यह तेज गेंदबाज बचपन से ही अस्थमा से पीड़ित है। उन्होंने खुलासा किया है कि वह अपनी इस बीमारी को स्कूल में दोस्तों से छिपाया करते थे। 148 टेस्ट मैच खेलने वाले ब्रॉड ने बताया वह बचपन से ही अस्थमा से पीड़ित थे और 12-13 साल की उम्र तक उन्हें इस बीमारी के बारे में सबकुछ समझ में आ गया था। ब्रॉड ने बताया स्कूल के दिनों में उन्हें सांस की इस बीमारी में काफी परेशानी होती थी और अकसर उनकी तबीयत बिगड़ जाती थी। उन्हें स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ती थी जिसके बाद दोस्त उनका मजाक भी उड़ाते थे। ब्रॉड ने बताया वह अपने दोस्तों को नहीं बताते थे कि उन्हें अस्थमा है, वह बस किसी और बीमारी का बहाना बना देते थे। स्टुअर्ट ब्रॉड ने खुलासा किया मैं बचपन से ही अस्थमा से पीड़ित था और मैंने इस बात को अपने दोस्तों को भी नहीं बताया। मैं इस बात से शमार्ता था कि मेरे स्कूल के दोस्त इस बात का मजाक न उड़ाएं और मुझे अलग तरह से न देखें। स्टुअर्ट ब्रॉड भले ही अस्थमा से पीड़ित हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी फिटनेस कमाल की है। इंग्लैंड का यह तेज गेंदबाज 148 टेस्ट मैच खेल चुका है, जिसके लिए गजब की फिटनेस होना जरूरी है। ब्रॉड फिलहाल एक ही फॉर्मेट खेलते हैं, लेकिन यह क्रिकेट का सबसे कठिन फॉर्मेट है। स्टुअर्ट ब्रॉड ने बताया कि वह अपनी मां की वजह से क्रिकेट खेल रहे हैं। ब्रॉड ने कहा जब किसी बच्चे को अस्थमा होता है, तो उसके माता-पिता उसे खेलों से दूर रखते हैं, लेकिन उनकी मां एक स्पोर्ट्स टीचर थी और वह ब्रॉड को खेलों के प्रति प्रेरित करती रहती थीं।

कैरेबियाई प्रीमियर लीग के आयोजकों ने अपने कार्यक्रम में बदलाव किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कैरेबियाई प्रीमियर लीग के आयोजकों ने आईपीएल से टकराव टालने के लिए अपने कार्यक्रम में बदलाव किया है, जिससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के लोकप्रिय भारतीय टी-20 क्रिकेट लीग में भाग लेने का मार्ग प्रशस्त होगा है। आईपीएल में कोरोना संक्रमण के बाद लीग पिछले महीने स्थगित कर दी गई थी। लेकिन अब इसके 19 सितंबर से यूएई में शुरू होने की उम्मीद है ।

रिपोर्ट के अनुसार सीपीएल 26 अगस्त से 15 सितंबर तक सेंट किट्स एंड नेविस में होगी। पहले इसका आयोजन 28 अगस्त से 19 सितंबर तक होना था। क्रिस गेल, सुनील नारायण, कीरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, आंद्रे रसेल सहित कई कैरेबियाई खिलाड़ी आईपीएल खेलते हैं।

यूरोप में अभ्यास जारी रखेंगे नीरज और विनेश : साइ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पहलवान विनेश फोगाट को टोक्यो ओलंपिक के लिए रवाना होने से पहले 25 जुलाई तक यूरोप में अपने-अपने स्थानों पर ही अभ्यास जारी रखने की अनुमति मिल गयी है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि चोपड़ा ने हाल में अंतरराष्ट्रीय सर्किट में जीत के साथ वापसी की थी। उन्होंने यूरोप के अभ्यास सह प्रतियोगिता दौरे पर लिस्बन में 83.16 मीटर की दूरी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसलिए उन्हें अभ्यास जारी रखने को कहा गया है।

वहीं फोगाट ने पोलैंड ओपन में इस महीने स्वर्ण पदक हासिल कर अपनी ओलंपिक तैयारियों का सबूत दिया था। उन्हें भी इसी प्रकार अभ्यास करने की इजाजत दी गयी है। साइ की समीक्षा समिति द मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने टोक्यो खेलों तक दोनों को ही विदेश में बने रहने और अभ्यास करने के प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दे दी है। साइ के अनुसार , पुर्तगाल में छह जून से रह रहे नीरज के स्वीडन के उप्साला में उनके कोच डॉ क्लाउस बार्टोनिएट्स और फिजियोथेरेपिस्ट के साथ 21 जून से प्रशिक्षण शुरू करने के प्रस्ताव के लिए 34.87 लाख रुपये के खर्च को मंजूरी दे दी गई है।

उन्होंने कहा, विनेश फोगाट अप्रैल से यूरोप में है और उन्हें ओलंपिक के लिए रवाना होने से पहले वह अभ्यास जारी रखने को कहा गया है। उन्होंने बताया, इस प्रस्ताव में एस्टोनिया के टैलिन में 10-दिवसीय अभ्यास शिविर के बाद हंगरी के बुडापेस्ट में 16-दिवसीय शिविर भी शामिल है। अभ्यास में उनकी मदद के लिए कोच वोलर एकोस और फिजियोथेरेपिस्ट पूर्णिमा रमन नगोमंदिर उनके साथ रहेंगे। इसके लिए उनके 9.01 लाख रुपये की लागत से प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है।

ओरेगन में हेवर्ड फील्ड में 2020 अमेरिकी ओलंपिक ट्रैक एंड फील्ड टीम ट्रायल के पहले दिन मेन्स शॉट पुट क्वालीफाइंग में प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते रयान क्राउजर।

आरेन डिसिल्वा ने हैदराबाद एफसी से करार किया

हैदराबाद, (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद एफसी (एचएफसी) ने युवा फुटबॉलर आरेन डिसिल्वा से नये सत्र के शुरू होने से पहले तीन साल के करार की घोषणा की। इस करार के बाद 23 साल का अग्रिम पंक्ति का यह खिलाड़ी 2023-24 सत्र तक टीम से जुड़ा रहेगा। गोवा में जन्में आरेन कम उम्र से ही पेशेवर फुटबॉल से जुड़ गये थे। वह चार साल तक एसईएसए फुटबॉल अकादमी से जुड़े रहे। इस युवा खिलाड़ी के पास गोवा प्रो लीग में 2016-17 के अलावा आई-लीग के अंडर-19 टूनार्मेंट में खेलने का अनुभव है।

यहा जारी विज्ञप्ति में आरेन ने कहा, मैं हैदराबाद एफसी का हिस्सा बनकर वास्तव में उत्साहित हूं। मैंने पहले ही कोच से बात की है और यह मुझे और भी उत्साहित करता है। मैं टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं, और एचएफसी में अपना नाम बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं।

सचिन ने डब्ल्यूटीसी पर उठाए सवाल, कहा–इस तरह से होना चाहिए फाइनल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के फॉर्मेट को लेकर कहा कि फाइनल एक मैच का नहीं, बल्कि सीरीज की तरह खेला जाना चाहिए। इसके लिए आईसीसी को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के फॉर्मेट को लेकर जरूर काम करना चाहिए। उन्होंने ने कहा कि जब आप 50 ओवर का विश्व कप या टी20 चैम्पियनशिप खेलते हैं, तो आप किसी भी टीम से एक बार भिड़ते हैं। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस पूल में है। इसमें एक निरंतरता होती है और फिर आप फाइनल खेलते हैं। उस स्थिति में एक फाइनल मैच होना सही है, लेकिन डब्ल्यूटीसी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से चार और इंग्लैंड से भी इतने ही मैच खेले और फिर आप अचानक फाइनल में पहुंच जाते हैं, जहां सिर्फ एक मैच ही खेला जाना है जोकि गलत है। यह बेस्ट ऑफ थ्री या एक सीरीज के तौर पर होना चाहिए था। ये डब्ल्यूटीसी फाइनल सीरीज होनी चाहिए। ऐसे में बेस्ट ऑफ थ्री मैच सही होते।

उन्होंने कहा कि यह तय किया जा सकता है कि आप उन मैच को कैसे खेलते हैं- एक घर में, एक विदेश में या जो भी तय होता, मुझे लगता है कि आईसीसी के सामने भी कई चुनौतियां रही होंगी। समय के साथ वो जरूर इसका समाधान निकाल लेंगे। कंडीशंस की इंग्लैंड में बड़ी भूमिका होती है। अगर पिच में घास है और आसमान में बादल छाए हुए हैं, तो फिर आपको शुरूआत में संभलकर खेलना होगा। एक बार आंखें जम जाने के बाद आप तेजी से रन बना सकते हैं, साउथम्पटन की पिच पर बल्लेबाजी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि फाइनल में भी कंडीशंस की भूमिका अहम होगी। पिच और बाउंस सिर्फ टीम इंडिया के लिए नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड के लिए भी परेशानी हो सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में टीम इंडिया के अंडर डॉग होने की चर्चा पर सचिन ने कहा कि नहीं ऐसा बिल्कुल नहीं है, टीम इंडिया ने काफी अच्छी क्रिकेट खेली है। अगर आप पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे की ही बात करें तो करीब आठ-दस खिलाड़ी टीम से बाहर थे। उस समय बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को मौका दिया गया। इसमें से कुछ तो सिर्फ नेट बॉलर की तरह टीम के साथ आए थे, लेकिन उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया। इससे पता चलता है कि टीम इंडिया के पास कितना टैलेंट है, इसलिए हम अंडरडॉग नहीं है। सचिन ने कहा कि लेकिन ये बात सही है कि हमें मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। न्यूजीलैंड के साथ अच्छी बात है कि उसने फाइनल से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट खेले हैं। वहीं भारतीय टीम को मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम इंडिया के मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण को लेकर मुझे तुलना पसंद नहीं है। मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण में काफी विविधता है। मोहम्मद शमी तेजी से गेंदबाजी करते हैं, बुमराह का एक्शन एकदम अलग है, इशांत ऊंचे कद के गेंदबाज हैं, उमेश और सिराज भी हैं, सभी एक दूसरे से अलग हैं। एक पैकेज के रूप में ये सभी कमाल के गेंदबाज हैं।